!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर – MPHIN/2014/56594

वर्ष-11 । अंक 148 । मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, सोमवार, 02 जून, 2025

अयोध्या में राममंदिर का शिखर सोने से जगमगाया

दूर से ही बिखेर रहा चमक; 5 जून को होगी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

एजेंसी ● अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को मंदिर के स्वर्ण जड़ित भव्य और चमकदार शिखर की तस्वीरें जारी की हैं। मंदिर में 5 जून को राम दरबार की स्थापना की जाएगी। इसके लिए अनुष्ठान 3 जून से प्रारंभ हो जाएंगे। अयोध्या राम मंदिर में 5 जून को राम दरबार सहित 7 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। गंगा दशहरा पर सुबह 11 बजे के बाद स्थिर लग्न और अभिजीत मुहूर्त में पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या और काशी के 101 आचार्य शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि CM योगी को ट्रस्ट की ओर से आमंत्रित किया गया है। योगी ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

3 जून से शुरू होगा अनुष्ठान कार्यक्रम

प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान कार्यक्रम 3 जून से शुरु होगा। इससे पहले 2 जून को महिलाओं द्वारा सरयू जल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 3 जून की सुबह 6.30 बजे से सभी मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ शुरु होगा, जो रात 9 बजे तक चलेगा। दोपहर में 1 घंटे का विश्राम होगा। इसी तरह 4 जून को भी विशेष पूजा-पाठ होगा। फिर 5 जून को सुबह 5.30 बजे पूजा शुरु होगी। प्राण प्रतिष्ठा 11 बजे के बाद की जाएगी।

इन 7 मंदिरों में होनी है प्राण प्रतिष्ठा

मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना हुई है, जबकि परकोटे में 6 मंदिरों में भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित की गई है। इन्हीं मंदिरों में 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके अलावा, सप्त मंडपम में 7 मंदिर बने हैं। इनमें महर्षि वाल्मीकि, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वशिष्ठ, निषादराज, अहिल्या और शबरी की मूर्ति स्थापित की जा चुकी है।

7 मंदिर भक्तों के लिए कब खोले जाएंगे, अभी तय नहीं

प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार और परकोटे में 6 भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा का मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए किस दिन खोला जाएगा, इस पर अभी फैसला नहीं हो पाया है। मंदिर के पश्चिम हिस्से में लिफ्ट लगाई जा रही है।

तेजप्रताप को लड़कियों से नहीं मिल रही फुर्सत

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर तेज प्रताप यादव द्वारा किए गए ट्वीट पर सियासत गरमा गई है। बीजेपी कोटे से मंत्री नीरज बबलू ने तेज प्रताप यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने तेज प्रताप को 'लालू परिवार का सबसे बेकार, नकारा और निकम्मा' तक कह डाला। नीरज बबलू ने कहा कि तेज प्रताप यादव के ट्वीट को राज्य के लोग गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने तेज प्रताप पर निजी हमला करते हुए कहा, 'पहले लड़कियों के चक्कर से फुर्सत तो मिले, तब ना ट्वीट करेंगे। एक से शादी, दूसरी से प्रेम और तीसरी से फ्लर्ट। पता नहीं कितनी लड़कियां इनके जीवन में हैं। परिवार वालों को शर्म आ रही होगी कि ये कौन कुकर्म किया।' बबलू ने सवाल उठाया कि लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को जवाब देना चाहिए कि तेज प्रताप का निजी जीवन क्यों चर्चा में है और कितनी लड़कियों से उनके संबंध हैं।

घर ढहे, सड़कें बहीं, 80 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित...

असम से त्रिपुरा तक बारिश का कहर, 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी ● गुवाहाटी

भारी बारिश और बाढ़ से पूर्वोत्तर के कई राज्यों में स्थिति बदहाल हो गई है। असम में ब्रह्मपुत्र समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और 15 से अधिक जिलों में 78 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। मिजोरम की राजधानी आइजोल में मूसलाधार बारिश के चलते प्रशासन ने कल स्कूल बंद करने के आदेश दिए।

अरुणाचल प्रदेश में मूसलधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में नौ लोगों की मौत हुई है। वर्षा और भूस्खलन से उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में 1,276 पर्यटक फंस गए हैं। इनमें दो विदेशी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से उनके राज्यों में हो रही भारी बारिश के मद्देनजर बात की और स्थिति से निपटने के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।

अमित शाह ने दिया मदद का भरोसा

गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लगातार बारिश के मद्देनजर नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। असम सरकार ने गुवाहाटी में भूस्खलन में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। अमित शाह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, 'असम, सिक्किम और अरुणाचल से मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से उनके राज्य में हो रही भारी बारिश के संबंध में बात की। साथ ही उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।' अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में बाढ़ के कारण सड़क परिवहन, ट्रेन और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। बाढ़ के खतरे को देखते हुए पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य के अधिकारियों ने वन्यजीवों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एहतियाती उपाय करना शुरु कर दिया है। मणिपुर में भारी बारिश ने कहर बरपाया है।

राहत शिविरों में रह रहे लोग

पिछले 48 घंटों में राज्य में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। सिक्किम के ऊपरी हिस्से में भारी बारिश से तीस्ता उफान मार रही है। तेज धारा ने कई महत्वपूर्ण पुलों को नुकसान पहुंचाया है। जंगू में फंसे प्रवासी मजदूर और स्थानीय नागरिक बैली ब्रिज के जरिये पैदल निकलने की कोशिश कर रहे हैं। मुंशीथांग में 29 मई को तीस्ता में गिरे पर्यटक वाहन के आठ सवारों का पता नहीं चल पाया है। इस दुर्घटना में ओडिशा की एक भाजपा नेत्री की मौत हो गई थी। लापता होने वालों में उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ का एक नवविवाहित जोड़ा भी है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पश्चिमी त्रिपुरा जिले के कई हिस्सों में भयंकर बाढ़ आ गई है। इसके परिणामस्वरुप करीब 1,300 परिवारों को सुरक्षा के लिए सरकारी राहत शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रख रही है।

कोलकाता की जनसभा में ममता पर जमकर बरसे अमित शाह

दीदी ने घुसपैठियों के लिए बॉर्डर की सीमाएं खोल दी

एजेंसी ● कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने टीएमसी समेत विपक्षियों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि ममता अपने भतीजे को सीएम बनाना चाहती हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमें पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनानी है, घुसपैठ रोकनी है, भ्रष्टाचार रोकना है, हिंदुओं का पलायन रोकना है। दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

अमित शाह ने कहा कि बंगाल का चुनाव केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करता है। यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मामला है। बंगाल में घुसपैठ टीएमसी नहीं, बल्कि कमल ही रोक सकता है। दीदी ने घुसपैठियों के लिए बॉर्डर की सीमाएं खोल दी है। अमित शाह ने कहा कि "वंदे मातरम्" के रचयिता महान बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की यह भूमि— जिस भूमि ने वर्षों तक भारत का मार्गदर्शन किया। ज्ञान हो, धर्म हो, स्वतंत्रता संग्राम हो— हर क्षेत्र में वर्षों तक बंगाल ने भारत का नेतृत्व किया, लेकिन उसी बंगाल में कई वर्षों तक कम्युनिस्टों का शासन रहा, और उसके बाद "मां, माटी, मानुष" का नारा देकर ममता दीदी सत्ता में आईं। शाह ने कहा कि ममता दीदी ने महान बंग भूमि को आज घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार, अपराध, बम धमाकों और हिंदुओं के साथ दुराचार का केंद्र बनाकर रख दिया है। शाह ने कहा कि बंगाल की इसी धरती पर चुनाव के दौरान और दीदी के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा खत्म हो गई होगी, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है। लोकतंत्र में हिंसा शोभा नहीं देती। दीदी, हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं–बहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओं–बहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना। वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया। शाह ने कहा कि बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है।ये घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है। कलकत्ता के बाजार में युवाओं की नौकरियां बिकती हैं। इनके घरों से (TMC) का इतना पैसा पकड़ा जाता है कि गिनते-गिनते मशीनें थक जाती हैं। अब इस सिलसिले को बंद करना ही होगा।

जेपी नड्डा ने साधा निशाना : असली काम तो मोदी ने किया विपक्ष सिर्फ नारे लगाता रहा

एजेंसी ● नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने रविवार को कहा कि (नरेंद्र) मोदी सरकार ने महिलाओं, किसानों और वंचित वर्गों को असल मायनों में सशक्त किया है, जबकि विपक्षी पार्टियां केवल नारे लगाती रहीं। नड्डा नई दिल्ली में 'एकात्म मानववाद' पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्याख्यानों के 60 साल पूरे होने पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कई अहम कदम उठाए हैं।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने जारी की सूची: राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर पर, खंडवा ने बढ़ाया मध्यप्रदेश का मान, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

जल संचय करने वाले जिलों में देश में खंडवा बना नंबर वन

संवाददाता ● भोपाल

केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 'जल संचय, जनभागीदारी' अभियान में खंडवा जिले ने कीर्तिमान रचकर देशभर में मध्यप्रदेश का मान बढ़ाया है। खंडवा जिले ने जल संचय करने वाले जिलों में देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहां राज्यों की श्रेणी में देश में मध्यप्रदेश चौथे नंबर है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने प्रदेश और जिलों की रैंकिंग जारी की है।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जल संरक्षण अभियान में मध्यप्रदेश सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बारिश के पानी का संचयन करने तथा पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।प्रदेश में बारिश के पानी को रोकने खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'जल संचय, जनभागीदारी' अभियान में खंडवा जिले को देश में प्रथम स्थान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।उन्होंने खंडवा के नागरिकों,जन-प्रतिनिधियों और शासकीय अमले को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. यादव ने कहा है कि पूरा विश्वास है कि इस अभियान में पूरे प्रदेश के सभी जिलों में बेहतर से बेहतर कार्य होगा।

बारिश के पानी को बचाने खंडवा जिले में किए गए यह कार्य अभूतपूर्व हैं

जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं मनरेगा आयुक्त श्री अविप्रसाद ने बताया कि खंडवा जिले में अभियान अंतर्गत मनरेगा, 15वां वित्त, 5वां वित्त, सीएसआर एवं जनसहयोग से 1 लाख 29 हजार 46 से अधिक संरचनाओं का निर्माण एवं पंजीकरण किया गया है। इसमें 12750 कूप रिचार्ज पिट, 1500 रिचार्ज सॉफ्ट, 23570 डगवेल, 5780 बोल्डर चेकडेम, 1256 बोल्डर वॉल, 3960 बोरीबंधान, 7455 पत्थर/मिट्टी के फील्डबण्ड, 5500 गलीप्लग (गेबीयन/लूज बोल्डर), 3269 नाला ट्रेंच, 6528 हैंडपंप रिचार्ज, 39000 रूफवाटर हार्वेस्टिंग,

58 चेकडैम/स्टॉपडैम/तालाब, 4800 पोखर तालाब, 2275 ड्रेनवर्क, 1500 खेत तालाब, 68 कंटूर ट्रेंच, 750 सूखे बोर रिचार्ज, 2462 जीर्णोद्धार कार्य एवं 6560 अन्य जल संरक्षण के जैसे जल संरचनाओं का पुनरुद्धार, हैंडपंप पुनर्भरण, सूखे बोरवेल का पुनर्भरण और कुएं के पुनर्भरण कार्य शामिल हैं।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी रैंकिंग के बाद भारत सरकार द्वारा जिले में हुए कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद ही केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कार की घोषणा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि जल संचय, जनभागीदारी अभियान अंतर्गत एक अप्रैल 2024 से 31 मई 2025 के बीच जो निर्माण किया गया है, उसके आधार पर खंडवा जिला देश में पहले नंबर पर है।

क्या है "जल संचय, जन भागीदारी अभियान"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जल प्रबंधन को लेकर समग्र दृष्टिकोण के अंतर्गत सरकार तथा समाज के समन्वित प्रयासों द्वारा विविध जल आवश्यकताओं को पूरा करने पर बल दिया। इसका उद्देश्य "जहां गिरे, जब गिरे - वर्षा का जल संचित करें" के मंत्र के साथ वर्षा जल संचयन और जन सहभागिता को बढ़ावा देना है। इस अभियान की सफलता के आधार पर जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग ने 6 सितंबर 2024 को जल शक्ति अभियान: कैच द रेन के तहत जल संचय, जन भागीदारी पहल की शुरुआत की गई। जिसका उद्देश्य कम लागत, वैज्ञानिक और सामुदायिक तरीके से भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देना एवं समुदायों की भागीदारी के माध्यम से कृत्रिम भू जल पुनर्भरण की आवश्यकता के प्रति जन-जागरुकता फैलाना है, जिससे जल संकट जैसी चुनौतियों का समाधान किया जा सके। साथ ही सामुदायिक भागीदारी से विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों को जल संरक्षण परियोजनाओं की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करना है। जन-भागीदारी से जल संरचनाओं का निर्माण एवं पुनरुद्धार करने के साथ ही कम लागत में बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट, रुफटॉप वर्षा जल संचयन, जलाशयों का पुनरुद्धार करना भी अभियान में शामिल हैं।

मेट्रो में उत्सवी माहौल : गांधीनगर टर्मिनल पर रात 8 बजे तक रही भारी चहल-पहल

मुफ्त सफर का लुत्फ उठाने के लिए जुटे हजारों

संवाददाता ● इंदौर

उत्साह

मेट्रो में रविवार को एक विशेष माहौल देखने को मिला, जब 15,000 से अधिक यात्री दिनभर मेट्रो में यात्रा करने पहुंचे। मेट्रो के मुफ्त सफर का आनंद लेने के लिए लोग शहर के विभिन्न हिस्सों से गांधी नगर टर्मिनल तक पहुंचे। यहां दिनभर भीड़ देखी गई और सुबह 8 बजे से लेकर रात 8 बजे तक मेट्रो सेवाएं जारी रहीं। मेट्रो के बीच के स्टेशनों पर भी नियमित रूप से स्टॉपेज होते रहे, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिली।

मेट्रो की शुरुआत के पहले हफ्ते में यात्रियों को मुफ्त यात्रा का मौका दिया गया था। पहले दिन टिकट व्यवस्था लागू नहीं की गई थी, जिससे यात्री बिना किसी शुल्क के यात्रा कर सके। हालांकि, दूसरे हफ्ते से मेट्रो की यात्रा पर डिस्काउंट रेट पर टिकट उपलब्ध होंगे और टिकट की व्यवस्था मैन्युअल तरीके से की जाएगी।

रात 8 बजे तक चलेगी मेट्रो सेवा

मेट्रो का संचालन गांधी नगर से लेकर स्टेशन नंबर 3 तक किया जाएगा। मेट्रो दोनों दिशा में सुबह 8 बजे से एक साथ चलेगी और रात 8 बजे आखिरी फेरा लगाया जाएगा। इस दौरान हर 30 मिनट के अंतराल पर एक मेट्रो कोच सेट का संचालन किया जाएगा। यात्रियों की संख्या के आधार पर समय में बदलाव किया जा सकता है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए यह फैसला लिया है।

मेट्रो का किराया और जोन व्यवस्था

मेट्रो का किराया 5 जोन में बांटा गया है, जिसमें कुल 28 स्टेशन शामिल हैं। न्यूनतम किराया 20 रुपये जबकि अधिकतम किराया 80 रुपये रखा गया है। शुरुआती प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए किराया 20 रुपये से 30 रुपये के बीच होगा। मेट्रो के कॉमर्शियल रन में यह किराया यात्रियों के अनुसार तय किया जाएगा।

फर्श पर बैठकर और नशा करके सफर करने वालों की खैर नहीं: सिटी बस में चाकू लहराते हुए भी दो-तीन मर्तबा बदमाश नजर आए, लेकिन मेट्रो ट्रेन में कई तरह के क्रियाकलाप प्रतिबंधित हैं। यदि यात्री उन्हें करते पाए गए तो उन्हें जुर्माना भी भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में सफर या तो सीट पर बैठकर करना होगा या खड़े रहकर। यदि यात्री मेट्रो ट्रेन की फर्श पर बैठकर सफर करते पाए गए तो 200 रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। गुटखा खाकर थूकने या शराब का नशा करने पर भी टिकट जब्त हो जाएगा और 200 रुपये का जुर्माना भरना होगा। इसके अलावा पुरुष यात्री महिला कोच में सफर करते मिले तो तीन माह की जेल की हवा खाना पड़ सकती है। 250 रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। कोच में विज्ञापन के लिए स्टीकर चिपकाने पर भी जुर्माना भरना होगा।

सीलबंद शराब की दो बोतल ले जा सकेंगे, पीने पर जुर्माना

मेट्रो ट्रेन में यात्री खरीदी हुई शराब की दो सीलबंद बोतल ले जा सकते हैं, लेकिन ढक्कन खुला मिला तो माना जाएगा कि शराब पी है। इसके लिए भी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यात्री चाकू, नुकीली वस्तु लेकर सफर नहीं कर सकते, लेकिन सिख समाज के लोग कृपाण रखकर सफर कर सकते हैं, लेकिन उसकी लंबाई 9 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यात्री पालतू जानवरों को भी मेट्रो में लेकर सफर नहीं कर सकते हैं। मेट्रो ट्रेन में प्रोफेश्नल कैमरे से फोटोग्राफी बगैर अनुमति के नहीं की जा सकेगी।

शॉर्ट न्यूज

घरेलू विद्युत उपभोक्ता विद्युत व्यवधानों से मुक्ति पाएं

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर के वास्तविक विद्युत भार के अनुरूप अपने कनेक्शन की भार वृद्धि स्वेच्छा से स्वीकृत कराना सुनिश्चित करा लें। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने बताया है कि उपभोक्ता कंपनी के पोर्टल पर स्वेच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा सकते हैं। गौरतलब है कि विद्युत उपभोक्ता सामान्यतः कंपनी द्वारा स्वीकृत विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग करते हैं जिस कारण से कम्पनी की विद्युत अधोसंरचना अतिभारित (overloaded) हो जाती है और विद्युत कंपनी के साथ ही उपभोक्ताओं को भी अनावश्यक रूप से विद्युत व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। सम्माननीय उपभोक्ता स्वेच्छा से अपने विद्युत भार की वृद्धि करा लें जिससे कम्पनी द्वारा भार अनुरूप उपयुक्त विद्युत अधोसंरचना का विकास कर बेहतर एवं निर्बाध विद्युत प्रदाय सुनिश्चित किया जा सके। कंपनी ने बताया है कि घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा स्वेच्छा से भार की वृद्धि कराने पर उनके मासिक देयक में कोई अंतर नहीं आएगा तथापि उन्हें संबद्ध भार के अनुरूप भार स्वीकृत कराना नियमानुसार आवश्यक है।

'विद्या शौर्य सम्मान 2025' समारोह में प्रतिभावान छात्रों का भव्य सम्मान

भोपाल। राजपूत बिजनेस फोरम, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित 'विद्या शौर्य सम्मान 2025' कार्यक्रम 29 मई 2025 को भोपाल के रातीबड़ क्षेत्र में आयोजित किया गया। इस समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 102 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया, जिनमें 60% से लेकर 100% तक अंक प्राप्त करने वाले छात्र शामिल थे। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनकी मेहनत और समर्पण के लिए प्रोत्साहित करना था। समारोह का उद्घाटन दोपहर 3:00 बजे एंकर द्वारा कार्यक्रम की उद्घोषणा से हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में शामिल रहे। डी. एस. कुशवाह जी (निदेशक, मध्य प्रदेश स्कूल शिक्षा) सुधीर भदौरिया जी (डिप्टी डायरेक्टर, यूआईटी) उपेन्द्र सिंह सेंगर जी (प्राचार्य, क्षेत्रीय ग्रामीण विकास प्रशिक्षण केंद्र) ए. एन. सिंह जी (पूर्व वायुसेना अधिकारी) शैक्षणिक अवसर सत्र में रौनक सोनी एवं सोनाली सोनी ने फ्रांस में शिक्षा पर प्रस्तुति दी। सम्मान समारोह में छात्रों को उनके अंक प्रतिशत के आधार पर सम्मानित किया गया। समारोह में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया, जिनमें श्री देवेंद्र सिंह, श्री ए. एन. सिंह, श्री संतोष सिंह बघेल, श्री यशवंत प्रताप सिंह (YPS) राठौर, श्री उदय प्रताप सिंह, आकाश सिंह, और श्री हेमराज सिंह शामिल थे।

एमसीयू में बीएससी ईएम, एमएससी ईएम, एमए बीजे के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बनाए सुनहरा भविष्य

संवाददाता ● भोपाल

टेलीविज़न, रेडियो, डिजिटल और सोशल मीडिया में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए एक अच्छी ख़बर है। यदि वे इस फील्ड में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं तो माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उनके लिए सुनहरा अवसर है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय बीएससी (ऑनर्स/रिसर्च), दो वर्षीय एमएससी एवं एमए बीजे स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ_साथ प्रायोगिक ज्ञान भी दिया जाता है। टीवी रिपोर्टर, एंकर, न्यूज़ रीडर, आरजे, वीजे, वीटी एडिटर, कॉपी एडिटर, स्क्रिप्ट राइटर, पीआरओ, मीडिया ऑफिसर आदि मीडिया के विभिन्न फील्ड में विद्यार्थी अपना करियर बना सकते हैं। उल्लखेनीय है कि विभाग का स्वयं का 'एमसीयू दर्शन टीवी' स्टूडियो है, जहां विद्यार्थियों द्वारा खुद से बुलेटिन का निर्माण किया जाता है। परिसर में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हॉस्टल भी है जिससे विद्यार्थी यहां रहकर भी पठन_पाठन कर सकते हैं। इसके अलावा शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति की सुविधा भी दी जाती है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mcu.ac.in पर जाकर बीएससी ईएम, एमएससी ईएम और एमए बीजे के ऑप्शन पर क्लिक करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बनाए सुनहरा भविष्य

संवाददाता ● भोपाल

टेलीविज़न, रेडियो, डिजिटल और सोशल मीडिया में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए एक अच्छी ख़बर है। यदि वे इस फील्ड में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं तो माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उनके लिए सुनहरा अवसर है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय बीएससी (ऑनर्स/रिसर्च), दो वर्षीय एमएससी एवं एमए बीजे स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ_साथ प्रायोगिक ज्ञान भी दिया जाता है। टीवी रिपोर्टर, एंकर, न्यूज़ रीडर, आरजे, वीजे, वीटी एडिटर, कॉपी एडिटर, स्क्रिप्ट राइटर, पीआरओ, मीडिया ऑफिसर आदि मीडिया के विभिन्न फील्ड में विद्यार्थी अपना करियर बना सकते हैं। उल्लखेनीय है कि विभाग का स्वयं का 'एमसीयू दर्शन टीवी' स्टूडियो है, जहां विद्यार्थियों द्वारा खुद से बुलेटिन का निर्माण किया जाता है। परिसर में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हॉस्टल भी है जिससे विद्यार्थी यहां रहकर भी पठन_पाठन कर सकते हैं। इसके अलावा शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति की सुविधा भी दी जाती है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mcu.ac.in पर जाकर बीएससी ईएम, एमएससी ईएम और एमए बीजे के ऑप्शन पर क्लिक करके ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एमसीयू में बीएससी ईएम, एमएससी ईएम और एमए बीजे के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

केनव्यू और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स दिल्ली ने बेबी की

संवेदनशील त्वचा की देखभाल में कोलाइडल ओटमील की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला

संवाददाता ● मुंबई

संवेदनशील त्वचा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध, रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता स्वास्थ्य कंपनी केनव्यू ने इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) दिल्ली के साथ मिलकर 'ओट नेचर लैब' का आयोजन किया। बेबीज़ की संवेदनशील त्वचा के लिए एविडेंस-बेस्ड केयर रोज़ाना देने के महत्व और इस गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को संबोधित करने के लिए कोलाइडल ओट पर आधारित त्वचा देखभाल की भूमिका पर इसमें प्रकाश डाला गया।

संवेदनशील त्वचा का छिपा प्रभाव

एटोपिक डर्माटाइटिस (एडी), एक्जिमा ज़ेरोसिस और डायपर डर्माटाइटिस जैसी संवेदनशील त्वचा की तकलीफे बढ़ रही हैं। दुनिया भर में एटोपिक डर्माटाइटिस से बेबीज़ वयस्कों की तुलना में दोगुने ज़्यादा प्रभावित होते हैं। पिछले दशक में, शहरीकरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन, तापमान और आर्द्रता बढ़ने के कारण भारतीय बच्चों में संवेदनशील त्वचा की तकलीफे बढ़ रही हैं। एक नए भारतीय विशेषज्ञों की आम सहमति और आईएपी के इनपुट के अनुसार, एटोपिक डर्माटाइटिस से पीड़ित भारतीय बच्चों की संख्या 20-39% से बढ़ रही है।

आज, पीडियाट्रिक ओपीडी में लगभग 30% बेबी त्वचा संबंधी विकारों की शिकायतों के लिए लाए जाते हैं। उनके लिए एटोपिक डर्माटाइटिस के प्रबंधन में मदद के लिए जल्द से जल्द इलाज की आवश्यकता होती है। फिर भी, नवजात शिशु या छोटे बेबी की त्वचा की देखभाल पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है, जिसका सीधा असर बेबी की कुल जीवन गुणवत्ता पर और परिवार की खुशहाली पर पड़ता है। 'ओट नेचर लैब' में भारत के प्रमुख पीडियाट्रिशियन, डर्मेटोलॉजिस्ट और हेल्थकेयर प्रोफेशनल की उपस्थिति में, पीडियाट्रिक स्किन केयर साइंस और बेबीज़ की संवेदनशील त्वचा के इलाज में कोलाइडल ओटमील की प्रमुख भूमिका के बारे में नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधान, रियल-टाइम अनुभव और सबूतों पर आधारित प्रथाओं को सामने लाया।कोलाइडल ओट-बेस्ड एमोलिएंट्स के बारे में बढ़ते क्लिनिकल भरोसे पर सहमति जताते हुए, विशेषज्ञों ने राहत दिलाने, त्वचा की संरक्षक परत को ठीक करने और मॉइस्चराइज़ करने में संवेदनशील त्वचा के प्रबंधन में इसके सकारात्मक परिणामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बेबी की संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल के अनुरूप व्यापक समाधानों के महत्व पर ज़ोर दिया, जैसे कि, सही इंग्रीडियंट के साथ सही फॉर्म्युलेशन चुनना।

आईएपी दिल्ली के अध्यक्ष डॉ पंकज गर्ग के अनुसार, 'बेबीज़ की संवेदनशील त्वचा की तकलीफों को बढ़ते हुए देखकर, पीडियाट्रिक कम्युनिटी और माता-पिता दोनों के बीच जागरूकता को मज़बूत करने की तत्काल आवश्यकता है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) ने संवेदनशील त्वचा का बेहतर ढंग से इलाज करने के लिए मानकीकृत दिशानिर्देश लागू किए हैं, जिसमें कोमल देखभाल, परेशान करने वाले और कठोर उत्पादों से परहेज के साथ-साथ सेरामाइड्स, लिपिड और प्राकृतिक कोलाइड ओटमील युक्त एमोलिएंट के नियमित उपयोग पर ज़ोर दिया गया है।

एसजीएसयू के छात्रों का प्रतिष्ठित हिल्टन बैंगलोर एम्बेसी गोल्फलिंक्स

होटल में 2-वर्षीय अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के लिए चयन

संवाददाता ● भोपाल

कार्यक्रम

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (SGSU) के स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी के लिए यह गौरव का विषय है कि बीबीए इन हॉस्पिटैलिटी एंड रेस्टोरेंट मैनेजमेंट (बैच 2024-25) के छात्र अंकित कुमार, ध्रुव शर्मा और ध्रुव पटनाकर का चयन भारत के प्रतिष्ठित 5-स्टार होटल हिल्टन बैंगलोर एम्बेसी गोल्फलिंक्स में 2-वर्षीय अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम के लिए हुआ है। यह उपलब्धि इन छात्रों के अकादमिक और व्यावसायिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस कार्यक्रम के तहत छात्रों को होटल संचालन, गेस्ट सर्विस, फूड एंड बेवरेज मैनेजमेंट जैसी विभिन्न सेवाओं में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा, जिससे वे उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकेंगे।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि यह गर्व की बात है कि एसजीएसयू का इंडस्ट्री-इंटीग्रेटेड प्रोग्राम छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु तैयार कर रहा है।

कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने कहा कि इस अप्रेंटिसशिप के माध्यम से छात्रों को न केवल कौशल का विकास करने का अवसर मिलेगा, बल्कि वे नेतृत्व क्षमता, कार्यस्थल पर व्यावहारिक समझ और प्रोफेशनल दृष्टिकोण भी विकसित कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि यह चयन छात्रों की मेहनत, समर्पण और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के प्रति उनके जुनून का प्रमाण है। प्रो. लोचन नगर, विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी ने भी चयनित छात्रों को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और विश्वास जताया कि यह अवसर उन्हें हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में व्यावसायिक उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करेगा।

775 लोको पायलट्स को मिला सिम्युलेटर के माध्यम से कोहरा, आग, ब्रेक फेल जैसी परिस्थितियों में व्यवहारिक प्रशिक्षण, SPAD की घटनाएं रहीं शून्य

भोपाल मंडल में लोको पायलट्स के लिए अत्याधुनिक प्रशिक्षण और सुविधाएं

संरक्षा संचालन की मजबूत नींव

संवाददाता ● भोपाल

प्रशिक्षण

रेल परिचालन की सफलता केवल तकनीकी ढांचे पर निर्भर नहीं होती, बल्कि उसे वास्तविक धरातल पर कार्यान्वित करने वाले लोको पायलट्स और रनिंग स्टाफ के समर्पण, सजगता और प्रशिक्षण पर भी उतनी ही निर्भरता होती है। भोपाल मंडल द्वारा ट्रैक्शन रोलिंग ऑपरेशन्स (TRO) विभाग के माध्यम से ऐसे कर्मचारियों के लिए अनेक संरक्षा-उन्मुख प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे रेल यात्रियों की सुरक्षा और समयबद्धता सुनिश्चित की जा सके।

सिम्युलेटर प्रशिक्षण से सुरक्षा में सुधार- भोपाल मंडल में स्थापित आधुनिक लोको सिम्युलेटर के माध्यम से वर्ष 2024-25 में 775 लोको पायलट्स को वास्तविक परिस्थितियों जैसे कोहरा, धुंध, आग, जर्क, लर्क, IBH फेलियर, लूप लाइन स्पीड, हॉट एक्सल आदि की स्थिति में ट्रेनों को नियंत्रित करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से देखा गया, जिसके तहतः SPAD (Signal Passed at Danger) की घटनाएं शून्य रहीं। लोड पार्टिंग जैसी गंभीर घटनाएं नहीं हुईं। ALP द्वारा RS वाल्व संचालन, सिग्नल कॉलिंग जैसे व्यवहार में सुधार देखा गया।

रनिंग रूम में दी गई आधुनिक सुविधाएं

रनिंग स्टाफ की भलाई और विश्राम के लिए मंडल में स्थित 6 रनिंग रूम्स में व्यापक सुधार किए गए हैं: इटारसी रनिंग रूम में चार बेड वाले कमरों में दो बेड पार्टीशन और बेहतर वेंटिलेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। सभी रनिंग रूम्स में ओपन जिम,सुन्दर गार्डन, और विश्राम हेतु शांत वातावरण सुनिश्चित किया गया है। गुना रनिंग रूम में बुफे सिस्टम से समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

निरंतर प्रशिक्षण एवं निरीक्षण प्रणाली

वर्ष 2024-25 से मंडल के DTC/इटारसी में ही Refresher Courses प्रारंभ किए गए हैं, जिससे लोको पायलट्स को बाहरी मंडलों में भेजने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। अब तक 90 लोको पायलट्स इस कोर्स के अंतर्गत प्रशिक्षण ले चुके हैं। इसके अलावा, 54 CLI (Crew Loco Inspectors) द्वारा रनिंग स्टाफ की नियमित निगरानी, मार्गदर्शन और संरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा की जा रही है।

संरक्षा सजगता का व्यवहारिक उदाहरण : मंडल में कार्यरत लोको पायलट्स की सजगता से संभावित दुर्घटनाओं को समय रहते टालने के कई उदाहरण सामने आए हैं। सही समय पर ब्रेकिंग, सिग्नल पहचान, अनियमितताओं की सूचना आदि ने यात्रियों की संरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संरक्षा उन्मुख प्रशिक्षण, मानसिक और पारिवारिक सहयोग, और कार्यस्थल पर सुविधाओं का समन्वय रनिंग स्टाफ को कार्यक्षेत्र में और अधिक दक्ष, सजग एवं प्रभावी बना रहा है। यात्रियों की संरक्षित और सुगम यात्रा के लिए यह एक निर्णायक पहल है।

मानसिक और पारिवारिक संतुलन पर विशेष ध्यान

भोपाल मंडल में लोको पायलट्स और उनके परिवारजनों के मानसिक संतुलन व संवाद हेतु 4 फैमिली सेमिनार आयोजित किए गए, जिनमें परिवार की भूमिका, तनाव प्रबंधन और संतुलित जीवनशैली पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, 5 नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से रनिंग स्टाफ को रेलवे संरक्षा, सावधानियों और आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली के प्रति जागरूक किया गया।

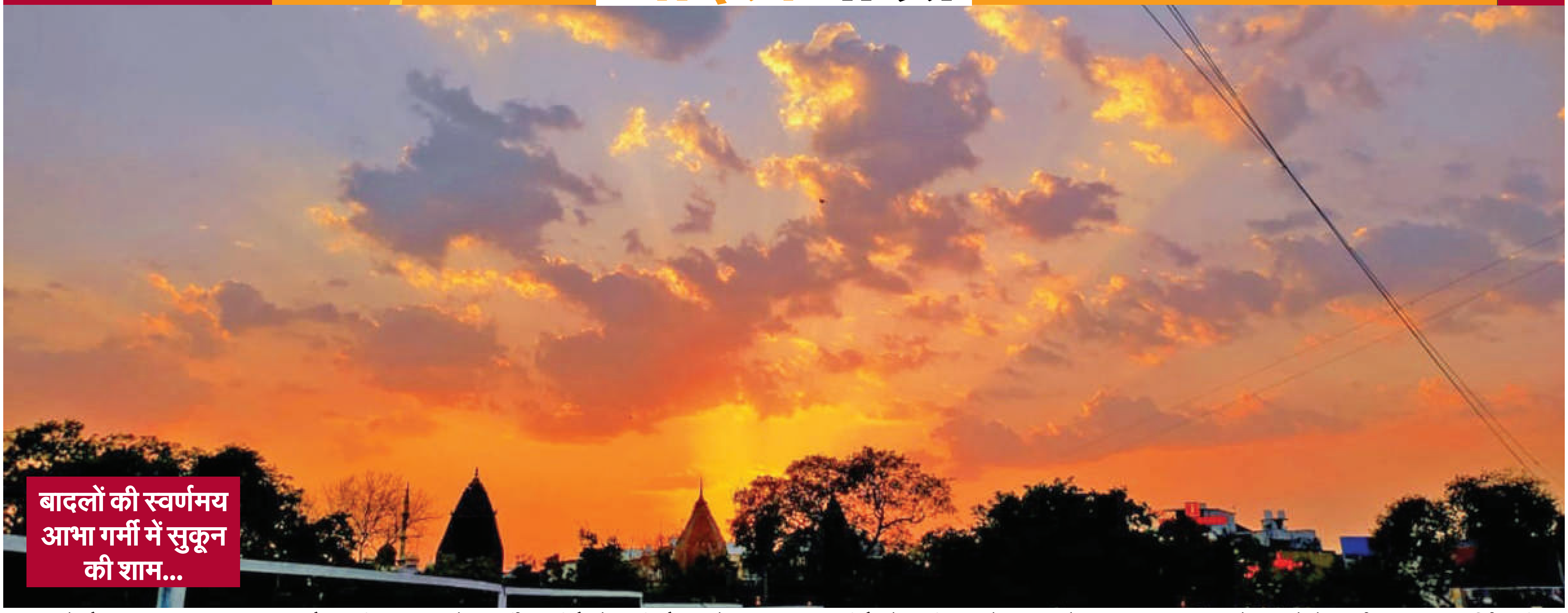

बादलों की स्वर्णमय आभा गर्मी में सुकून की शाम...

शहर में मौसम लगातार रंग बदल रहा है। कभी अचानक तेज गर्मी पड़ती है तो कभी मौसम में ठंडक घुल जाती है। ऐसा ही कुछ देर शाम को हुआ जब आसमान में बादलों ने स्वर्णमय आभा प्रदर्शित की।

शॉट न्यूज

अफसरों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी, दो पटवारी सस्पेंड

इंदौर। सोशल मीडिया पर सीनियर अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट्स करने के मामले में कलेक्टर आशीष सिंह ने दो पटवारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। मीडिया ग्रुप में किए गए इन कमेंट्स से वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमा को ठेस पहुंची है। पहला मामला तहसील राऊ के पटवारी चेतन उपाध्याय का है। उन्होंने शुक्रवार को वॉट्सऐप मीडिया ग्रुप में एक वरिष्ठ अधिकारी पर दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी की। यह कृत्य सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन माना गया। इसके चलते उन्हें सस्पेंड किया गया। उनका मुख्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय इंदौर तय किया गया है। दूसरा मामला तहसील सांवेर के पटवारी धर्मेंद्र गुप्ता का है। उन्होंने भी इसी दिन अनुचित टिप्पणी की थी।

सिलेंडर चुराने और खरीदने वाले 4 धराए, 12 बरामद

इंदौर। आजाद नगर पुलिस ने गैस की टंकियां चोरी करने और खरीदने वालों को पकड़ा है। उनके पास से 12 गैस टंकियां बरामद की है। आरोपी मध्यमवर्गीय और मजदूर लोगों के घरों को टारगेट करते थे। पुलिस आरोपियों से और भी पूछताछ कर रही है। आजाद नगर पुलिस के मुताबिक इलाके में गैस टंकियां चोरी होने का वारदात बढ़ती जा रही थी। तीन अलग-अलग क्षेत्रों में सुने मकानों से गैस टंकियां चोरी की घटना हुई थी। मुखबीर की सूचना पर आजाद नगर पुलिस ने दो बदमाशों को पकड़ा। उन्होंने अपने नाम साहिल पिता अश्विन और रवि पिता पप्पू गहलोत बताया। उनसे सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने 12 जगह से घर में घुसकर गैस की टंकियां चोरी करने की वारदात करना बताया। दोनों आरोपियों ने ये गैस टंकियां रोहित पिता जगदीश और ऋषभ पिता शेरू सेन को बेचना बताया। टीम ने चोरी की गैस टंकियां खरीदने पर उन्हें भी पकड़ा और 12 गैस टंकियां बरामद की।

युवती से मारपीट और गाली-गलौज महिला के खिलाफ केस दर्ज

इंदौर। युवती से मारपीट कर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाली आरोपी महिला के खिलाफ परदेशीपुरा पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में आस्था टॉकीज के सामने शनि मंदिर मेन रोड पर 28 मई को घटी थी। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार पीड़ित युवती अपनी सहेली के साथ भजन संध्या में शनि मंदिर गई थी। वहीं पर उसके होने वाले पति की एक महिला मित्र भी मौजूद थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब युवती अपनी सहेली के साथ गाड़ी लेने के लिए पैदल जा रही थी, तभी उक्त महिला ने रास्ते में उसे रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। वह कहने लगी कि तू मेरे पति से क्यों बात करती है। वह मेरा पति है।

---

10 से ज्यादा पिलरों में किए ब्लास्ट

सिर्फ 5 सेकंड में 4 मंजिला बिल्डिंग ढहाई

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम की टीम ने 4 मंजिला बिल्डिंग को विस्फोट कर जमींदोज कर दिया। 10 से ज्यादा पिलरों में विस्फोटक लगाए गए, जिनमें एक साथ विस्फोट हुआ और महज 5 सेकंड में पूरी बिल्डिंग जमींदोज हो गई। चारों तरफ धूल का गुब्बार उठ गया।

एक दिन पहले भी नगर निगम की टीम यहां पर कार्रवाई करने पहुंची थी। बिल्डिंग को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया था, लेकिन इससे जेसीबी पर बिल्डिंग गिरने का खतरा था। इस वजह से आज विस्फोटक लगाकर बिल्डिंग को गिराया गया।

कार्रवाई

नाले से सटाकर बनाई, इसलिए की कार्रवाई : नगर निगम ने ये कार्रवाई जोन-22 के वार्ड 31 में नाले से सटी चार मंजिला व्यवसायिक बिल्डिंग पर की है। यहां पर डॉ. इजहार मुंशी पीयू-4 के प्लॉट नंबर 234 पर निर्माण कर रहे थे। इमारत स्वीकृत नक्शे और भूमि विकास नियमों के खिलाफ बनाई जा रही थी। नियमानुसार नाले से 9 मीटर की दूरी तक किसी भी तरह का पक्का निर्माण प्रतिबंधित है। इसके बाद भी नाले से सटाकर बिल्डिंग खड़ी कर दी गई। तलघर भी बना दिया। आगे और पीछे के हिस्से को भी कवर कर लिया था। बताया जा रहा है कि डॉ. मुंशी संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय में कार्यरत हैं। नगर निगम ने कई बार नोटिस देकर निर्माण हटाने के लिए कहा था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जिसके चलते निगम ने कार्रवाई की।

जेसीबी पर बिल्डिंग गिरने का था खतरा - निगम अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार को नगर निगम की टीम बिल्डिंग को हटाने पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान जेसीबी से बिल्डिंग की निचली दीवारों को तोड़ा गया। ज्यादा तोड़ने पर बिल्डिंग भरभराकर जेसीबी के ऊपर ही गिरने का खतरा था। इसलिए टीम ने जेसीबी से जितना हो सकता था उतना रिमूवल किया, इसके बाद आज टीम दोबारा यहां कार्रवाई करने पहुंची।

पूरे इलाके में आवाजाही रोककर किया ब्लास्ट

निगम अधिकारियों ने बताया, बिल्डिंग के 10 से ज्यादा पिलरों में विशेषज्ञ की मदद से विस्फोटक लगाए गए, जिसके बाद पूरे इलाके में आवाजाही रोककर विस्फोट किया गया। विस्फोट के चंद सेकंड में ही चार मंजिला बिल्डिंग भरभराकर जमींदोज हो गई। इस दौरान नगर निगम की टीम ने कोई दुर्घटना न हो, इसका पूरा ध्यान रखा।

लड़की का पीछा करने पर विवाद, घर में घुसकर किया था हमला

तीन साल पुराने हत्या मामले में साले-बहनोई को उम्रकैद

संवाददाता ● इंदौर

जिला कोर्ट ने तीन साल पहले लड़की का पीछा करने पर हुए विवाद में दो आरोपियों को आजीवन कारावास से दंडित किया है। आरोपी रिश्ते में बहनोई-साले हैं। आरोपियों के नाम आकाश पिता प्रकाश चंद्र साहू (26) निवासी ग्राम रेवती, बाणगंगा और राकेश पिता राजेन्द्र साहू (40) निवासी शिवकंठ नगर हैं। इसमें राकेश बहनोई है। घटना 26 जून 2022 को बाणगंगा क्षेत्र में हुई थी। आरोपी आकाश साहू यहां रहने वाली एक लड़की का पीछा करता था। इस पर लड़की के पिता ने आकाश के पिता प्रकाश को समझाया कि वह मेरे लड़की का पीछा करना छोड़ दें लेकिन वह नहीं माना।

मामला

घटना वाली रात 11 बजे लड़की का परिवार सो रहा था। तभी रात 11 बजे घर का दरवाजा खटखटाने की आवाज आई। इस पर लड़की के पिता ने दरवाजा खोला तो बाहर आकाश और उसका बहनोई राकेश साहू खड़े थे। दोनों ने उन्हें गालियां थी। इस पर बेटा अमन सहित परिवार के लोग बाहर आए तो आकाश ने कहा कि आपने मुझे आपकी बेटी से बात करने को क्यों मना किया। मुझे उससे शादी करना है। इस बीच अमन ने कुछ कहने की कोशिश की तो उसने उसके साथ मारपीट की। इस दौरान आकाश ने भी मारपीट की और जेब में रखा चाकू निकालकर अमन पर हमला कर दिया। लड़की के पिता ने बीच बचाव किया तो राकेश ने उन पर भी चाकू से हमला कर दिया। यह देख बेटी बीच-बचाव करने आई तो आकाश ने उसके साथ भी मारपीट की। इससे उसके सिर से खून निकलने लगा। हमले में अमन का काफी खून बह गया। परिवार के लोग उसे अस्पताल ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया। फिर चालान पेश किया। सुनवाई में अभियोजन की ओर से 17 गवाह पेश किए गए। अभियोजन के तर्कों से सहमत होकर कोर्ट ने 29 मई को दोनों को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही अवैध हथियार में क्रमशः तीन और दो साल के कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन की ओर से पैरवी सुशीला दहीकर (सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी) ने की। जिला लोक अभियोजन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि 29 मई को 11वें अपर सत्र न्यायाधीश ने थाना बाणगंगा के सत्र प्रकरण में निर्णय पारित करते हुए आकाश पिता प्रकाशचंद्र साहू, उम्र- 26 वर्ष, निवासी ग्राम रेवती थाना बाणगंगा और राकेश पिता राजेंद्र साहू उम्र 40 वर्ष, निवासी शिवकंठ नगर बाणगंगा को धारा 302/34 भारतीय दंड संहिता में आजीवन कारावास व धारा 27 एवं 25(1-बी)(बी) आयुध अधिनियम में भी अभियुक्त आकाश को क्रमशः 3 व 2 वर्ष का सश्रम कारावास व 14000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया गया है।

नमकीन क्लस्टर में इंडस्ट्रियल फ्लैट खरीद सकेंगे निर्माता

इंदौर। औद्योगिक विकास निगम अब 8 साल पुरानी योजना को बन्द कर नई प्लानिंग को अंजाम देने जा रहा है। अधिकारियों का कहना है वह अब वह नमकीन की यूनिट लगाने के लिए 2 इमारतों में बनाये गए इंडस्ट्रियल फ्लैट भी औद्योगिक भूखंडों की तरह बेचेगा। 2016 में एमपीआईडीसी ने इंदौर शहर के नमकीन उद्योगों को अंतराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए रेशम कीड़ा केंद्र की जमीन पर नमकीन क्लस्टर में लगभग 34 प्लाट बनाये थे। इसके अलावा प्लग एन प्ले पॉलिसी के अंतर्गत इंडस्ट्रियल फ्लैट वाली 2 इमारतें बनाई थी। इन इमारतों में कुछ बड़ी दुकान और नमकीन यूनिट लगाने के लिए फ्लैट बनाये थे। इंडस्ट्रियल फ्लैट वाली इमारतें बनाने के पीछे एमपीआईडीसी की यह सोच थी कि जो बड़े नमकीन निर्माता है वह तो इंडस्ट्रियल प्लाट खरीद कर स्वयं अपनी बिल्डिंग बना कर काम शुरू कर सकते है मगर जो मध्यम और छोटे नमकीन निर्माता या व्यापारी है वह इंडस्ट्रियल बिल्डिंग में फ्लैट किराए से लेकर अपना व्यवसाय या नमकीन उद्योग शुरू कर सकते है। मगर पिछले 8 सालों में सिर्फ कुछ व्यवसायियों ने दुकानें किराए पर ली बाकी दोनों बिल्डिंगों के इंडस्ट्रियल फ्लैट खाली पड़े रहे। इस तरह क्लस्टर में एमपीआईडीसी की किराये पर जगह देने की योजना फ्लॉप साबित हो गई। इसलिए एमपीआईडीसी ने जिन कुछ नमकीन व्यापारियों को इंडस्ट्रियल फ्लैट वाली बिल्डिंग्स में जो दुकान अथवा जगह किराये पर दी थी, उनसे खाली करा ली है। अब इन्हें लीज पर बेचने की प्लानिग तैयार कर ली है।

---

25 वाटर एटीएम लगाने के लिए कोई एजेंसी तैयार नहीं

कम कीमत पर शीतल जल की योजना खटाई में

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम द्वारा शहर में 25 वाटर एटीएम लगाने का फैसला लिया गया है। इस काम को स्मार्ट सिटी के द्वारा करवाया जा रहा था। लेकिन कलेक्टर द्वारा स्मार्ट सिटी के धन का उपयोग नही करने पर के निर्देश पर अब इस काम को निगम का जल यंत्रालय करवाएगा। लेकिन इस काम को करने के लिए कोई एजेंसी नही मिल रही है। नगर निगम द्वारा गर्मी का मौसम शुरू होने से पहले ही फैसला लिया गया था कि शहर में 25 स्थानों पर वाटर एटीएम लगाए जाएंगे। इन स्थानों से नागरिकों को बहुत कम कीमत पर ठंडा जल और शुद्ध जल उपलब्ध हो सकेगा। इसके लिए निगम द्वारा एजेंसी के चयन की प्रक्रिया को शुरू किया गया था। इस प्रक्रिया में शर्त रखी गई है कि जो कंपनी वाटर एटीएम लगाने का काम करेगी उसे ही 10 साल तक इसका संचालन संधारण भी करना पड़ेगा।

योजना

ठेकेदार एजेंसी के चयन की प्रक्रिया फिर शुरू

यह कार्य स्मार्ट सिटी कंपनी के माध्यम से किया जा रहा था। पिछले दिनों हुई स्मार्ट सिटी कंपनी के बोर्ड की बैठक में अध्यक्ष कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा इस काम पर आपत्ति ली गई थी। उन्होंने कहा था कि यह कार्य स्मार्ट सिटी कंपनी के धन का दुरुपयोग है। ऐसे में इस कार्य को करने के लिए मंजूरी नहीं दी जा सकती है। स्मार्ट सिटी कंपनी से इस प्रोजेक्ट को नकार दिए जाने के बाद अब नगर निगम द्वारा इस कार्य को जल यंत्रालय के माध्यम से करने की पहल की जा रही है। इसके लिए निगम द्वारा ठेकेदार एजेंसी के चयन की प्रक्रिया को फिर से शुरू किया गया है। अब लगातार दूसरी बार निगम ठेकेदार एजेंसी का चयन करने की कोशिश कर रहा है।

तेज धूप से बचाव के जतन

तीन-चार दिनों तक बारिश के बाद अब फिर तेज धूप पड़ने लगी है। धूप की लपटों से बचने के लिए लोग अपना मुंह ढंककर निकल रहे हैं।

असिस्टेंट ग्रेड में जुड़े नए नाम, कटऑफ भी

बिजली कंपनी के वर्ग 3 और 4 के संशोधित रिजल्ट जारी

संवाददाता ● इंदौर

मप्र बिजली कंपनी के वर्ग 3 और 4 के ढाई हजार पदों के लिए मार्च में हुई परीक्षा के रिजल्ट को लेकर गफलत हो गई थी। इसमें खासकर असिस्टेंट ग्रेड थ्री पद की मेरिट लिस्ट को लेकर सबसे ज्यादा आपत्तियां थीं। मार्च 20 को परीक्षा देने वालों उम्मीदवारों के अंक को इस मेरिट लिस्ट में जोड़ना ही बिजली कंपनी भूल गई थी। इस आपत्तियों के बाद कंपनी ने रिजल्ट वापस लिया और शुक्रवार देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे रिजल्ट जारी कर दिया गया। यह रिजल्ट भी 87-13 फीसदी फार्मूला से ही हुआ है। बता दें कि इस बार करीब सवा लाख उम्मीदवारों ने आवेदन भरे थे।

असिस्टेंट ग्रेड 3 के कुल 818 पद थे जिसमें 13 फीसदी होल्ड करने के बाद 87 फीसदी में 717 पद थे। इसमें से कंपनी ने कुल 545 पदों के लिए मेरिट लिस्ट जारी की है। बाकी पदों के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आए हैं। वहीं उम्मीदवारों ने बताया कि 20 मार्च की शिफ्ट के जिनके पेपर के अंक इस पद के लिए कंपनी जोड़ना भूल गई थी उससे करीब 20 उम्मीदवार चयनित हुए हैं। हालांकि उम्मीदवार अभी भी इसमें शिकायत कर रहे हैं और उनका कहना है कि 20 मार्च के पेपर टफ थे, वहीं अभी भी 87 फीसदी कोटे के सभी 717 पदों पर मेरिट लिस्ट जारी नहीं की गई है। इसी के साथ भर्ती एजेंसी ने इसमें कटआफ की मांग को पूरा कर दिया है और हर पद के लिए कैटेगरी वाइज यह कटआफ जारी कर दिया गया है। सबसे ज्यादा मांग में रहे आफिस असिस्टेंट ग्रेड 3 के पद में यूआर के लिए 83.77 फीसदी, महिला के लिए 80.34 फीसदी, ओबीसी के लिए 82.81 फीसदी, ओबीसी महिला के लिए 79.24 फीसदी, एसटी के लिए 71.94 फीसदी, एसटी महिला में 67.20 फीसदी, एससी में 77.86 फीसदी, एससी महिला में 71.58 फीसदी और ईडब्ल्यूएस में 82.79 व इसी में महिला में 77.62 फीसदी कटआफ रहा है।

रिश्तों का मुलाकातों की संख्या से कोई सम्बंध नहीं है

इस सप्ताह की शुरूआत में मुम्बई में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई, जिसने पूरे शहर को ठप कर दिया। चूंकि मेरा बिस्तर भी भीगने लगा था, इसलिए मुझे बेडरूम की खिड़कियां बंद करने को मजबूर होना पड़ा। जैसे ही मैं खिड़की बंद कर वापस मुड़ा, मैंने कुछ गिरने की आवाज सुनी। मैंने मुड़कर देखा। मेरी आंखें कोई भारी चीज तलाश रही थीं, जैसे पेड़ की टहनी या कुछ और, जो संभवतः मेरी खिड़की से टकराकर फुलवारी में गिर गई होगी। यह मेरी खिड़की के नीचे की वो जगह है, जहां हम कुछ छोटे गमले रखते हैं। लेकिन मैंने नीचे देखा तो पाया कि वहां पंखों का झुंड और पत्तियां बिखरी थीं। मैंने उसे उठाया। वह एक छोटा-सा, हल्का, भूरे रंग का पक्षी था। मैंने चारों ओर देखा तो पाया कि पेड़ की एक बड़ी टहनी टूटकर नीचे पड़ी थी।

शायद उस पक्षी की मां खाने की तलाश में गई होगी और वह तेज हवाओं के खतरे से अनभिज्ञ होगा। शायद प्रकृति ही उस कोमल, नन्हे-से प्राणी को मेरे बिस्तर पर लाना चाह रही हो। इसी कारण से उसने इतनी तेज हवा चलाई कि वह उस नन्हे-से जीवन को मेरे नर्म बिस्तर पर ला सके। ये सब देख मुझे अपराध-बोध होने लगा और मैंने उस पक्षी की देखभाल करने का फैसला किया। उसके दिल की धड़कन तेज थी, जो और तेज होती चली गई और फिर धीरे-धीरे स्थिर हो गई। मुझे नहीं पता था कि उस पक्षी की सहायता कैसे की जाए। मुझे यह भी नहीं पता था कि क्या उसे ज्यादा चोट लगी है।

पक्षी की काली आंखें कई बार झपकीं और फिर धीरे-से बंद हो गईं। लेकिन उस सर्द और नम सुबह में उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। मैं चाहता था कि वह पक्षी मुझसे बोले और मुझे बताए कि उसे क्या तकलीफ है। पक्षी के छोटे काले नाखून नुकीले थे और वे मेरी हथेली में चुभने लगे। मैंने मेज पर रसोई का साफ कपड़ा बिछाया और पक्षी को उस पर लेटा दिया। हमारे इलाके के समीप ही संजय गांधी नेशनल पार्क की बाउंड्री वॉल है, इसलिए मैं वहां वन्यजीव संगठनों के लिए काम करने वाले कुछ वॉलंटियर्स को भी जानता हूं। मैंने एक बचाव दल को टेक्स्ट किया कि ह्वएक छोटा पक्षी हमारी खिड़की से टकरा गया है, मुझे क्या करना चाहिए? मेरा फोन घायल पक्षी के समीप ही रखा था। कुछ क्षण बाद ही फोन की आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाया और मेरी ओर देखा जैसे वह मुझसे कुछ कहना चाहता हो। उसके बिना एक शब्द बोले ही मैं समझ गया कि वो कहना चाहता था- मैं उड़ना चाहता हूं और यह सुंदर दुनिया देखना चाहता हूं, क्या तुम मेरी सहायता करोगे? इन शब्दों की कल्पना से ही मेरी आंखें भर आईं। फोन पर आए जवाबी संदेश में कहा गया कि क्या आप पक्षी को एक बॉक्स में रखकर हमारे पास ला सकते हैं? मैंने कहा, मैं नहीं ला सकता। मैं अपने एक दोस्त की सहायता के लिए अस्पताल जा रहा हूं, जहां वो अपने बीमार पिता की देखभाल के लिए अकेले हैं। तुरंत ही जवाब आया कि आप अपना पता भेजिए, हम एक वॉलंटियर भेजने की कोशिश करेंगे। मैंने पता भेजा और अगले 15 मिनट में एक वाहन आकर बॉक्स को ले गया।

कुछ क्षण बाद ही फोन की आवाज सुनकर उसने अपना सिर उठाया और मेरी ओर देखा जैसे वह मुझसे कुछ कहना चाहता हो। उसके बिना एक शब्द बोले ही मैं समझ गया कि वो कहना चाहता था- मैं उड़ना चाहता हूं और यह सुंदर दुनिया देखना चाहता हूं, क्या तुम मेरी सहायता करोगे? इन शब्दों की कल्पना से ही मेरी आंखें भर आईं। फोन पर आए जवाबी संदेश में कहा गया कि क्या आप पक्षी को एक बॉक्स में रखकर हमारे पास ला सकते हैं? मैंने कहा, मैं नहीं ला सकता।

उस दिन से मुझे नियमित तौर पर उस नन्हे पक्षी के बारे में अपडेट मिलते रहे हैं। उन्होंने पक्षी की चहचहाहट को रिकॉर्ड कर मेरे पास भेजा और कहा कि उसकी हालत में सुधार हो रहा है। वह तब से ही मेरी प्रार्थनाओं में शामिल रहा है। मैंने उस रिकॉर्डिंग को अपने म्यूजिक सिस्टम पर तेज आवाज में बजाया, यह सोचकर कि यदि उसकी मां अपने बच्चे को ढूंढ रही होगी तो यह ध्वनि उसे अपने बच्चे की सलामती के बारे में बता देगी। कई सारे पक्षी हमारी खिड़की पर रखा खाना खाने आते हैं। मैं सिर्फ आशा कर सकता हूं कि उनमें से एक उसकी मां भी होगी। अंततः इस शनिवार को वह नन्हा-सा पक्षी जंगल में उड़ गया। और मैं आशा करता हूं कि वह अपनी मां से भी मिल पाएगा, क्योंकि जिस पेड़ पर उसका जन्म हुआ था, वो नेशनल पार्क से तीन किलोमीटर दक्षिण में है। फंडा यह है कि फंडा यह है कि रिश्ते घड़ी की सुइयों की तरह होते हैं। वे केवल चंद पलों के लिए ही मिलते हैं, लेकिन एक-दूसरे से हमेशा जुड़े रहते हैं।

संत वचन

आज, चर्च एंटिओक के प्रसिद्ध सेंट इग्नाटियस का पर्व मनाता है, जो एक महान चर्च फादर और प्रारंभिक चर्च के प्रसिद्ध शहीदों में से एक थे, जिनका साहस, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण वास्तव में हम सभी के लिए अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा।

लक्ष्य को पाने में मैनिफेस्टेशन कैसे मदद करता है?

हमने इस पल को साकार करने की ठान ली थी।ह्व सोमवार की रात अपने अंतिम लीग मैच में मुम्बई इंडियंस को हराकर टॉप-2 में शामिल होने वाली पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने ये बात कही। उन्होंने कहा, ह्वनीलामी के बाद हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया, जहां हम बातचीत और मैनिफेस्ट करते थे कि हम इस साल खिताब जीतेंगे। पहला लक्ष्य टॉप-2 में पहुंचना था और हमने ये बाधा पार कर ली।ह्व यदि आप उनके शब्द देखें तो टीम ने अंतिम चार में पहुंचने के लिए मैनिफेस्ट नहीं किया। उन्हें खिताब चाहिए था और इसके लिए वे क्वालीफाइंग चार में से शीर्ष दो में आना चाहते थे। अचरज नहीं कि टीम ने 11 साल के इंतजार के बाद प्लेऑफ में जगह बनाई। हालांकि टीम ने पूरे सीजन में, खासतौर पर हाल के मैचों में मजबूत प्रदर्शन किया है, पर श्रेयस अय्यर के नेतृत्व व रिकी पोंटिंग की कोचिंग ने एक दूसरे की मदद और परवाह का एक नया दृष्टिकोण दिया, जिसके सकारात्मक बदलाव दिखे।

एडिट.नोट

शशांक ने कहा, ह्वठान लेना एक बात है, उसमें भरोसा करना दूसरी। हमने इसके लिए कड़ी मेहनत की और इसका श्रेय पंजाब किंग्स से जुड़े हरेक व्यक्ति को जाता है। आईपीएल जैसी लीग में टॉप टू में पहुंचना आसान नहीं है। तो मैनिफेस्टेशन क्या है? सार रूप में कहें तो इसका मतलब अपनी सोच, भावना और कार्य को अपनी इच्छाओं के साथ जोड़ना है, ताकि उन्हें वास्तविकता में तब्दील किया जा सके। और शशांक बिल्कुल यही बात कह रहे हैं। यह एक प्रक्रिया है, जिसमें सकारात्मक मानसिकता, अपने इरादों पर फोकस करना और लक्ष्य पाने के लिए सतत काम करते रहना शामिल है। मेनिफेस्टेशन या अपनी आकांक्षाओं को सच बनाने के उद्देश्य से उनके बारे में सोचना कभी भी बहुत ज्यादा लोकप्रिय नहीं रहा। यह वह कार्य और अभ्यास है, जिसमें आप वांछित चीज को पाने के लिए विचार करते हैं और गहनता से ध्यान केंद्रित करते हैं। अब इसे प्राप्त कैसे करें? मैनिफेस्टेशन के जरिए अपने सपनों को साकार करने के कुछ चुनिंदा सिद्धांत यहां पेश हैं।

मनोभाव स्पष्ट हों: अपनी इच्छाएं यथासंभव रूप से स्पष्ट रखें। जैसे पंजाब किंग्स ने 2025 का क्ढछ जीतने की ठानी। ये कभी नहीं कहा कि वे किसी साल क्ढछ जीतना चाहते हैं। ऐसे ही अपनी इच्छाएं स्पष्ट रूप से यथासंभव परिभाषित करें। सकारात्मक सोचें: हमेशा इच्छित परिणामों पर फोकस करें, खासतौर पर सोने से पहले। कभी आराम नहीं करने वाला आपका अवचेतन मन तब लक्ष्य हासिल करने के आइडिया सोचता रहेगा, तब भी जब आपका शरीर आराम कर रहा होगा। लक्ष्य हासिल करने के लिए यह धीरे-धीरे आपको अपनी क्षमताओं पर भरोसा दिलाने लगता है और सकारात्मक मानसिकता विकसित करता है। विजुअलाइजेशन: अभ्यासकर्ता और गुरु सुझाते हैं कि अपनी इच्छाओं की ऐसी कल्पना करो कि जैसे वह पहले ही साकार हो चुकी हैं। इसमें विजन बोर्ड बनाना या नियमित लिखना शामिल हो सकता है। लेकिन आपको सोने से पहले डायरी जरूर लिखनी चाहिए, ताकि अवचेतन दिमाग इस पर काम कर सके।

कार्यों को अलाइन करें: वांछित परिणाम प्राप्त करने की दिशा में छोटे-छोटे कदम बढ़ाएं। इसमें आदतें बदलना, नई स्किल सीखना या सोचा-समझा जोखिम उठाना हो सकता है। अंततः खुद पर और अपनी टीम पर भरोसा रखें। अपने इरादे की ताकत व खुद की सहायता के लिए ब्रह्मांड की शक्ति पर अटूट भरोसा रखें। ताज्जुब नहीं कि शाहरुख खान ने एक फिल्म में कहा था कि ह्वजब आप कोई चीज को शिद्दत से चाहो तो हालांकि, फिलहाल पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल का खिताब दूर है, लेकिन यह टीम कई कारणों से कईयों की चहेती बन गई है। इसमें टीम की को-ऑनर प्रीति जिंटा का भरोसा भी शामिल है, जो हर मैच में अपनी टीम के पीछे चट्टान की तरह खड़ी रहती हैं। फंडा यह है कि मैनिफेस्टेशन काम करता है। विज्ञान में इसे आरएएस- रेटिकुलर एक्टिवेटिंग सिस्टम कहते हैं। मत भूलें, आपके विचारों में आपको विजयी बनाने की जबरदस्त ताकत है।

डेरेक ओ ब्रायन-लेखक

एक उड़ान, जिसने जीवन के प्रति मेरा नजरिया बदल दिया

जीवन में कुछ चीजें ऐसी हैं, जिन्हें हम हल्के में लेते हैं। कभी-कभी इस सूची में स्वयं जीवन भी शामिल होता है, चाहे हमें इसका एहसास हो या न हो। बुधवार, 21 मई को मैं दिल्ली से श्रीनगर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में सवार होता हूं। यह मेरे सार्वजनिक जीवन का एक और दिन है, एक और उड़ान। मैंने आपातकालीन निकास द्वार पर 19एफ की अपनी चिर-परिचित सीट ली। मैं वो तमाम चीजें कर रहा हूं, जो आमतौर पर फ्लाइट में करता हूं। हवा में 45 मिनट बिताने के बाद एक घोषणा होती है, जिसमें हमें सीटबेल्ट बांधने के लिए कहा जाता है। लेकिन कोई हलचल (टबुर्लेंस) नहीं है। लगभग पांच मिनट बाद हम बिजली चमकते देखते हैं, जो दिन के उजाले को चीरती हुई मालूम होती है। अब हमें थोड़ा टबुर्लेंस महसूस होता है और यह तेजी से बढ़ने लगता है। मुझे एहसास होता है यह कोई सामान्य स्थिति नहीं है।

विमान डरावने ढंग से दाईं ओर झुक रहा है। मैं एयरबस ए321नियो के दाईं ओर बैठा हूं और मैं विमानों के झुकने का आदी हूं, लेकिन यह हर बार की तरह नहीं है। अब पूरा विमान खतरनाक तरीके से एक तरफ झुकना शुरू हो जाता है। हम तेजी से नीचे की ओर गिर रहे हैं। यह कोई एक या दो मिनटों की बात नहीं, यह कम से कम दस मिनटों तक चलता है। बाहर केवल बादल, कड़कती बिजलियां और ओलावृष्टि दिखाई देती हैं। मेरा दिमाग में बहुत सारी चीजें चलने लगती हैं। अब यात्री केबिन से दूसरी आवाजें भी आने लगती हैं। साधारण बातचीत या भोजन परोसने की आवाजें नहीं, बल्कि लोग चिल्ला रहे हैं, प्रार्थना कर रहे हैं। इससे अतिरिक्त तनाव और भय पैदा होता है। कुछ यात्री अपने फोन पर इसे रिकॉर्ड करने लगते हैं कि एक आवाज आती है- वीडियो बनाना बंद करो। ऐसा नहीं है कि इन लम्हों में मेरा पूरा जीवन मेरी आंखों के सामने चलचित्र की तरह चलने लगा है। इसके बजाय, मैं इस विचार से ग्रस्त हूं कि अगर कुछ बुरा हुआ, तो मैं अपनी इकलौती बेटी की कुछ महीनों बाद होने वाली शादी से चूक जाऊंगा! मैं अपनी बेटी, पत्नी, सौतेली बेटियों, भाइयों, सहकर्मियों, दोस्तों के बारे में सोचता हूं। मैं सोचता हूं उन सभी को पीछे छोड़ जाना कितना दुःखद होगा। मुझे उनमें से किसी को भी अलविदा कहने का मौका नहीं मिलेगा। यह उन रिश्तों और मैत्रियों के लिए एक गहरा, स्थायी दुःख है, जिनका इस भयावह दोपहर के बाद कोई अस्तित्व न होगा। मुझे पता है मेरा जीवन सौभाग्यशाली रहा है। शायद इसका 1990 में कोलकाता की एक गली में जाने से कुछ लेना-देना था, जहां ननों की मंडली का विश्वव्यापी मुख्यालय था। सादगी से भरी उस जगह में एक बरामदे में चार स्टूल रखे थे। यहीं पर मदर टेरेसा (वर्तमान में कलकत्ता की सेंट टेरेसा) से मेरी पहली मुलाकात हुई थी और मैंने उनके हाथ को छुआ था। तो, मेरे दिमाग में और क्या चल रहा था? मैंने राजनीति के बारे में नहीं सोचा। मैंने संसद के बारे में नहीं सोचा। मैंने एक्स या इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स की संख्या के बारे में नहीं सोचा। मेरा ध्यान उन लोगों पर था, जिन्हें मैं प्यार करता हूं। जो मेरे लिए दुनिया से बढ़कर हैं। जो मेरे जीवन का अहम हिस्सा रहे हैं। मैंने परम-सत्ता से प्रार्थना की। मैंने उनसे एक अनुबंध किया। एक अच्छा व्यक्ति बनने का अनुबंध!

इसके शायद तीस मिनट बाद हम लैंड हुए। लैंडिंग से पहले केबिन-क्रू के एक सदस्य ने हमसे अपनी खिड़कियों के पर्दे नीचे खींचने को कहा, क्योंकि हम एक सैन्य हवाई क्षेत्र में उतर रहे थे। विमान के रुकने के बाद इंजन बंद कर दिए गए और सभी लोग उतरने लगे। लेकिन मैं बैठा रहा। अकेला ही। क्यों? मुझे नहीं पता। शायद इस सब को अच्छे से प्रोसेस करने के लिए। लेकिन इससे मुझे पायलटों से बात करने का मौका मिला। मैंने सभी यात्रियों और क्रू की ओर से उनका धन्यवाद किया। कप्तान ने मुझे बताया पायलट के रूप में 40 वर्षों की यह सबसे कठिन उड़ान थी। मैं अब घर लौट आया हूं। उस बात को एक सप्ताह हो गया है। मुझे लगा कि मैं अपने तरीके से इससे निपट लूंगा। लेकिन मैं गलत था। फिर, कुछ घंटे पहले मैंने अपने बचपन के दोस्त से बात की। मुझे बीच में कई बार रुकना पड़ा क्योंकि मेरी भावनाएं बार-बार उमड़ रही थीं। लंबी चुप्पी और दबी हुई सिसकियों के बीच उसने इतना ही कहा, ह्वअब सब ठीक है। मैं यहां हूं! उस उड़ान ने मुझे बदल दिया। इसने जीवन के हर पहलू को देखने के मेरे तरीके को भी बदल दिया। अब मैं समझ गया हूं कि जीवन एक उपहार है।

बिजनेस

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 25.50 तक सस्ता हुआ एफडीकी ब्याज दरों में कटौती हुई,

नई दिल्ली। नया महीना यानी जून अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। आज 19 किलोग्राम वाला कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 25.50 रुपए तक की कटौती की गई है। इसके अलावा एविएशन टर्बाइन फ्यूल (अळऋ) की कीमत भी 2391.27 रुपए तक कम हो गई है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है।

सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक ने ऋऊ पर मिलने वाले ब्याज में 0.20% तक की कटौती की है। सामान्य नागरिकों को अब एफडी पर 4% से लेकर 8.4% तक का ब्याज मिलेगा। इसके अलावा इस महीने से कर्मचारियों को अळट और वढक से सीधे ढऋ का पैसा निकालने की सुविधा मिल सकती है। 19 किलोग्राम वाला सिलेंडर सस्ता हुआ तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 24 रुपए कम कर दी है। इसके बाद यहां कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1723.50 रुपए हो गई है। हालांकि, 14.2 ङ्र वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 853 रुपए और मुंबई में 852.50 रुपए का मिल रहा है।सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 जून 2025 से अपने ऋऊ पर ब्याज दरों में कटौती कर दी है। सामान्य नागरिकों को अब एफडी पर 4% से 8.4% तक का ब्याज मिलेगा। वहीं वरिष्ठ नागरिकों को अब एफडी पर 4.40% से 8.80% तक का ब्याज मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में नया कट-ऑफ टाइम रएइक ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए नया कट-ऑफ टाइम लागू किया है। अब ऑफलाइन ट्रांजैक्शन के लिए समय 3 ढट और ऑनलाइन के लिए 7 ढट होगा। इसके बाद किए गए ऑर्डर अगले वर्किंग डे पर माने जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि निवेशकों के पास उस दिन की नेट असेट्स वैल्यू (ठअश) पाने के लिए ज्यादा समय होगा।

केंद्र सरकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जून में बड़े बदलाव की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एढऋ 3.0 के मसौदे के अनुसार कर्मचारियों को जल्द ही अळट और वढक से सीधे ढऋ का पैसा निकालने की सुविधा मिल सकती है। 3.0 के तहत, ढऋ खाताधारकों को विड्रॉल कार्ड मुहैया कराए जाएंगे। यह पूरी तरह से बैंक अळट कार्ड की तरह होगा। नई सुविधा के तहत एक तयशुदा रकम ही निकाली जा सकेगी। इससे ये होगा कि कर्मचारी इमरजेंसी के लिए पैसे तो निकाल सकेगा, लेकिन रिटायरमेंट के बाद भी पर्याप्त राशि अकाउंट में सुनिश्चित रहेगी।

राज-काज

पतंजलि पर पैसे के लेन-देन में गड़बड़ी का आरोप

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को केंद्र सरकार ने पैसों के लेन-देन में गड़बड़ी को लेकर नोटिस भेजा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी जांच एजेंसियों को पतंजलि के पैसों के लेन-देन में गड़बड़ियां मिलीं हैं। एजेंसियों ने कई फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस को संदिग्ध माना है। कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय ने पातंजलि को नोटिस जारी कर दो महीने के भीतर जवाब देने को कहा है। जांच शुरूआती चरण में है, इसलिए रकम का खुलासा नहीं हुआ है। कंपनी के खिलाफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस नियमों के उल्लंघन और फंड डायवर्जन की आशंका पर जांच शुरू की गई है। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है।

स्कॉच को टक्कर दे रही भारत में बनी सिंगल माल्ट व्हिस्की, बिक्री में जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली: भारत में सिंगल माल्ट व्हिस्की का क्रेज बढ़ रहा है। अब ज्यादा भारतीय लोग देसी सिंगल माल्ट व्हिस्की पीना पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह से लोकल ब्रांड्स की बिक्री बढ़ रही है। अब ये ब्रांड्स स्कॉच व्हिस्की को भी पीछे छोड़ रहे हैं। साल 2024 में पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय सिंगल माल्ट व्हिस्की की बिक्री, स्कॉच से ज्यादा हो गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि लोगों को भारतीय व्हिस्की ज्यादा पसंद आ रही है, और स्कॉच की बिक्री कम हो रही है।

इकोनॉमिक्स टाइम्स के अनुसार अल्कोहल मार्केट पर रिसर्च करने वाली कंपनी क्हरफ के मुताबिक साल 2023 में भारतीय सिंगल माल्ट की बिक्री 75% से ज्यादा बढ़ी थी। इसके बाद ये स्कॉच व्हिस्की की बिक्री से सिर्फ 9000 नौ-लीटर केस पीछे रह गई थी।आईडब्ल्यूएसआर ने आगे कहा कि साल 2024 में भारतीय सिंगल माल्ट की बिक्री 25% से ज्यादा बढ़ गई। इस वजह से ये स्कॉच व्हिस्की से काफी आगे निकल गई। आईडब्ल्यूएसआर ने ये नहीं बताया कि किस भारतीय या स्कॉटिश सिंगल माल्ट की बिक्री सबसे ज्यादा हुई। साल 2024 में सिंगल माल्ट स्कॉच की बिक्री गिर गई। ये गिरावट 2020 में कोरोना महामारी के दौरान हुई गिरावट से भी ज्यादा थी। ऐसा लगता है कि अब कई लोगों का ध्यान स्कॉच से हटकर भारतीय सिंगल माल्ट पर चला गया है।सिंगल माल्ट का मतलब है एक ही डिस्टिलरी में बनी व्हिस्की। इसे इसके खास स्वाद के लिए जाना जाता है। ये व्हिस्की के अलग-अलग ब्रांड्स को मिलाकर नहीं बनाई जाती। अमृत और पॉल जॉन, भारत के पहले सिंगल माल्ट ब्रांड थे। इन्हें 2000 के दशक में लॉन्च किया गया था। पिछले तीन सालों में कई नए सिंगल माल्ट बनाने वाली कंपनियां सामने आई हैं। इनमें पिकैडली एग्रो और रेडिको खेतान (जिसने फैंत्र४१ सिंगल माल्ट लॉन्च किया) शामिल हैं।

क्या पसंद आ रही भारतीय व्हिस्की?

अमृत डिस्टिलरीज के मैनेजिंग डायरेक्टर रक्षित जगदाले ने कहा, 'लोग अब भारतीय सिंगल माल्ट को भी खरीदते हैं। वे इसे दूसरी विदेशी व्हिस्की के साथ रखते हैं। क्योंकि इसकी क्वालिटी, पैकेजिंग और कीमत, इम्पोर्टेड व्हिस्की से बेहतर है। ऐसा ही कुछ साल पहले जापानी माल्ट के साथ हुआ था। भारतीय माल्ट को राष्ट्रवाद का भी फायदा मिल रहा है। अब लोगों को लगता है कि भारतीय सिंगल माल्ट, स्कॉच से बेहतर है।'

अब विदेशी निवेशक भी मान रहे भारत का लोहा, डर खत्म हुआ तो शेयर मार्केट में लगा दिया ढेर सारा

नई दिल्ली: विदेशी निवेशकों को फिर से भारतीय बाजार से उम्मीदें दिखाई देने लगी हैं। वे एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। मई के महीने में उन्होंने खूब खरीदारी की है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने 18,082 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। यह लगातार दूसरा महीना है जब ऋक्कक्र ने भारतीय बाजार में खरीदारी की है।

अप्रैल में भी विदेशी निवेशकों ने 4,243 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इससे पहले, साल की शुरूआत में उन्होंने भारतीय बाजार से खूब पैसा निकाला था। लेकिन अब उनका रुख बदल गया है। यह बदलाव इस तिमाही में भारतीय बाजार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।जनवरी से मार्च 2025 तक विदेशी निवेशक लगातार भारतीय बाजार में शेयर बेच रहे थे। जनवरी में तो उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले थे। उस समय डॉलर बहुत मजबूत हो गया था और ब्याज दरें भी बढ़ रही थीं। इस वजह से ऋक्कक्र चिंतित थे और उन्होंने भारतीय बाजार से पैसा निकाल लिया।लेकिन अब हालात बदल गए हैं। दुनिया भर में महंगाई कम हो रही है और अमेरिका में ब्याज दरें भी स्थिर हो गई हैं। इसलिए विदेशी निवेशकों का डर कम हो गया है और वे फिर से भारतीय बाजार में पैसा लगा रहे हैं। जयोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार का कहना है कि कुछ ग्लोबल कारण हैं जिनकी वजह से विदेशी निवेशक भारत में पैसा लगा रहे हैं। उनके अनुसार डॉलर कमजोर हो रहा है, अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं धीमी हो रही हैं। वहीं भारत में जीडीपी बढ़ रही है, महंगाई कम हो रही है और ब्याज दरें भी घट रही हैं। इन सब कारणों से विदेशी निवेशक मार्केट में पैसा लगा रहे हैं। विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में फिर से पैसा लगाना एक अच्छा संकेत है। इससे पता चलता है कि उन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा है और वे भारत का लोहा मान रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और यहां विकास की संभावनाएं भी बहुत हैं।

पशु अधिकार कार्यकर्ता नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सभी प्रकार की पशु बलि पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

उस दिन भोपाल का प्रशासनिक नियंत्रण पूरी तरह भारत सरकार के हाथों में आ गया

226 साल बाद नवाब के कब्जे से बाहर निकला था भोपाल

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के इतिहास में आज 1 जून का दिन विशेष है। आज से 76 वर्ष पहले आज ही के दिन भोपाल पर 226 वर्षों से चल रहे नवाब के शासन का अंत हुआ था। उस दिन भोपाल का प्रशासनिक नियंत्रण पूरी तरह भारत सरकार के हाथों में आ गया। इस दिन के लिए तत्कालीन भोपाल रियासत का सबसे बड़ा राजनीतिक आंदोलन चला था, जिसे विलीनीकरण आंदोलन कहा जाता है। भोपाल रियासत के दस्तावेजों पर शोध करने वाले भोपाल हिस्ट्री फोरम के शाहनवाज खान बताते हैं कि भारत की आजादी के समय भोपाल उन रियासतों में शामिल था, जिन्होंने भारत संघ में विलयपत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे।

नियंत्रण

भोपाल के अंतिम नवाब हमीदुल्ला खान ने 14 अगस्त 1947 को रात 8.15 बजे इस विलयपत्र पर हस्ताक्षर किया था। उस समय संविधान नहीं बना था।

स्टैंड स्टिल समझौता - रियासतों में भारत सरकार की कोई प्रशासनिक व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में एक स्टैंड स्टिल समझौता भी उसी के साथ हुआ था, जिसके तहत नवाब को नई व्यवस्था होने तक राज्य का प्रमुख रहकर कामकाज संभाले रखना था।

रक्षा, विदेश नीति और दूर-संचार जैसे महत्वपूर्ण विभागों को छोड़कर नागरिक प्रशासन की जिम्मेदारी नवाब की थी। इसी व्यवस्था के तहत नवाब भोपाल रियासत पर शासन कर रहे थे। भारत सरकार ने नवाब को प्रतिनिधि सरकार बनाने का निर्देश दिया था, उसी के आधार पर उन्होंने चतुरनारायण मालवीय को प्रधानमंत्री बनाया था।

विलीनीकरण आंदोलन शुरू हुआ

प्रजा मंडल के चार नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह दी थी। आजादी मिलने से उत्साहित लोगों को लग रहा था कि जब सारे देश पर अपनी सरकार आ गई तो भोपाल से नवाब का शासन खत्म क्यों नहीं हो रहा है। इसी सोच से नाराजगी बढ़ी और भोपाल को मध्य भारत में मिलाने के लिए विलीनीकरण आंदोलन शुरू हुआ। शाहनवाज खान बताते हैं कि यह आंदोलन छह जनवरी 1949से शुरु होकर 30 जनवरी 1949 तक चला। उसके बाद सरदार वल्लभभाई पटेल की नाराजगी की वजह से खत्म हो गया। उसके बाद भारत सरकार ने भोपाल की प्रशासनिक व्यवस्था अपने हाथ में लेने का फैसला किया। 30 अप्रैल 1949 को रियासती मामलों के सचिव वीपी मेनन भोपाल आए।
यहां नवाब हमीदुल्लाह खान और भारत सरकार के बीच उस ऐतिहासिक करार पर हस्ताक्षर हुए जिसमें लिखा था कि एक जून 1949 से रियासत का प्रशासन भारत सरकार को सौंप दिया जाएगा।
एक जून 1949 को भारत सरकार ने एनबी बैनर्जी को मुख्य आयुक्त बनाकर भोपाल भेजा जिन्होंने नवाब से भोपाल का प्रशासनिक नियंत्रण लिया। इसी के साथ 1723 में नवाब दोस्त मोहम्मद खान से शुरु हुआ नवाबों के शासन का अंत हो गया।
भोपाल की इतिहासकार पूजा सक्सेना कहती हैं कि नवाब हमीदुल्लाह खान ने 1947 में अनीच्छा से भारत संघ में विलयपत्र पर हस्ताक्षर किए थे। वे रियासत पर प्रशासनिक नियंत्रण नहीं छोड़ना चाहते थे। पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना और पाकिस्तान के बड़े नेताओं से उनके संबंधों-पत्राचारों की वजह से जनता का भरोसा खत्म हो रहा था। इसी वजह से विलीनीकरण आंदोलन शुरू हुआ। यह आंदोलन नवाब की सत्ता खत्म करने के लिए ही था, जिसमें अंतत: लोगों को सफलता मिली।

शॉट न्यूज

पंजाब के 4 युवकों को हथियारों के साथ पकड़ा

ग्वालियर। ग्वालियर में पुलिस ने देर रात चेकिंग के दौरान एक कार से पंजाब के चार सिख युवकों को अवैध हथियारों के साथ पकड़ा है। तलाशी लेने पर उनके पास से दो पिस्टल, जिन्दा राउंड और दो तलवारें बरामद हुई हैं। यह घटना कम्पू क्षेत्र के चांदमारी इलाके की है। पुलिस ने युवकों से हथियारों से संबंधित दस्तावेज मांगे, तो वे कोई दस्तावेज नहीं दे सके। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने चारों युवकों के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी पंजाब पुलिस से मांगी है। कम्पू थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि शनिवार रात करीब 11:30 बजे वह थाने के बल के साथ फायरिंग रेंज, अवाड़पुरा-चांदमारी रोड पर चेकिंग पॉइंट लगाकर वाहनों की जांच कर रहे थे। लेकिन पहले से सतर्क खड़ी पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

घर के बाहर खड़ी बुलेट का लॉक तोड़ा,चोरी की बाइक

ग्वालियर। ग्वालियर में दो शातिर चोरों के घर के बाहर खड़ी बुलेट चोरी करने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों चोर पैदल आते हैं और कुछ ही मिनटों में बुलेट का लॉक तोड़कर उसे चोरी कर ले जाते हैं। यह घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के तानसेन नगर की है, शनिवार की दरमियानी रात हुई। बुलेट मालिक ने थाने पहुंचकर इसकी शिकायत की, जिसके आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। तानसेन नगर स्थित लक्ष्मी डेयरी के पास रहने वाले 27 वर्षीय आशु मित्तल पुत्र संजय मित्तल एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। रात लगभग 2:30 बजे दो अज्ञात चोर पैदल वहां पहुंचे और बुलेट का लॉक तोड़कर उसे चुरा ले गए।

जंगल में छिपाई बाइक लेने आया हत्यारा नमन पकड़ाया

जबलपुर। चाकू से गोदकर 30 वर्षीय कविता गुप्ता की हत्या करने वाले नमन विश्वकर्मा को बरगी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के बाद से वह रायपुर में छिपा था और जंगल में छिपी बाइक लेने आया था। तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। नमन आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ जबलपुर के लार्डगंज और कोतवाली थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। नमन को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जबलपुर के बल्देवबाग में रहने वाली कविता गुप्ता अपने बॉयफ्रेंड नमन विश्वकर्मा के साथ 25 मई को बरगी डैम घूमने गई थी। कविता के साथ उसकी तीन साल की बच्ची भी दी। एक के बाद एक आरोपी ने छह वार किए और फिर खून से लथपथ हाल में छोड़कर फरार हो गया। घंटों कविता जंगल में खून से सनी पड़ी रही और पास ही खड़ी उसकी 3 साल की मासूम बार-बार मां, मां कहकर बुलाती रही।

हरी झंडी दिखाकर साइक्लोथॉन का शुभारंभ किया

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल। एनएचडीसी लिमिटेड, भोपाल के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जन सामान्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से एनएचडीसी परिसर में भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप (BBRG) के सहयोग से 1 जून को प्रातः 6.30 बजे साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। साइक्लोथॉन का शुभारंभ एनएचडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव जैन ने फ्लैग ऑफ करके किया। साइकल रैली का आरंभ एनएचडीसी परिसर से भोपाल के रमणीय स्थलों जैसे राजा भोज सेतु, वीआईपी रोड से खानूगांव चौराहे तथा वापस भारत भवन होते हुए एनएचडीसी परिसर पर इसका समापन

किया गया। साइक्लोथॉन में भोपाल बाइसिकल राइडर्स ग्रुप (BBRG) के सदस्यों के साथ- साथ एनएचडीसी लिमिटेड के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परिवार के सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें प्रतिभागियों को एनएचडीसी के प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य अतिथि राजीव जैन द्वारा स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

तीन साल से भारत में रह रही युगांडा की युवती भोपाल में पकड़ी

एक माह पहले ही हुई थी शिफ्ट

संवाददाता ● भोपाल

भारत में तीन साल से अवैध रूप से रह रही अफ्रीका के युगांडा देश की एक 27 वर्षीय युवती को भोपाल पुलिस ने पकड़ा है। युवती का वीजा वर्ष 2022 में समाप्त हो गया था, लेकिन वीजा की समयावधि बढ़वाए बिना वह अवैध रूप से भारत के अलग-अलग शहरों में रह रही थी। पिछले कई महीनों से वह दिल्ली में निवासरत थी, लेकिन पाकिस्तान से युद्ध के दौरान वहां प्रवासी भारतीयों के वीजा की जांच गहराने के बाद करीब एक महीने पहले वह दिल्ली से भागकर भोपाल आ गई थी।

यहां शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित गुलमोहर कॉलोनी में उसने एक निजी कॉलेज का फर्जी आईडी कार्ड बनाकर कमरा किराये पर ले लिया था। वहीं जब 28 मई को मकान मालिक से उसे पुलिस जांच की सूचना मिली तो तत्काल कमरा खाली कर भाग गई। बाद में पुलिस ने पड़ताल कर उसे कटाराहिल्स की सफायर पार्क सिटी कॉलोनी से गिरफ्तार किया। शुक्रवार को उसे कोर्ट में पेश कर पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ने बताया कि डीसीपी कार्यालय से जारी एक प्र के माध्यम से सूचना मिली थी त्रिलोचन नगर गुलमोहर कालोनी में युगांडा राष्ट्र की 27 वर्षीय स्टेला नकाबूंदे नामक युवती अवैध रूप से रह रही है। पत्र के साथ युगांडा से जारी स्टेला का पासपोर्ट, भारतीय दूतावास से जारी नौ सितंबर तक वैध टूरिस्ट वीजा की छाया प्रति भी भेजी गई। इसके साथ ही निजी कालेज का एक परिचय पत्र भी भेजा गया। शाहपुरा पुलिस ने कालेज से संपर्क किया तो प्रबंधन की ओर से बताया गया कि उनके विवि में स्टेनाम नाम की कोई भी छात्रा अध्ययनरत नहीं है। इसके बाद पुलिस ने युवती के मकान मालिक विदिशा के कुरवई निवासी यज्ञदीप भावसार से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि कालेज आइडी के आधार पर रूम दिया गया था।

अलबेला श्याम महोत्सव में आज बड़ी झील पर दिखेगा वृंदावन सा दृश्य

राजधानी में आज गूंजा भक्तिरस, नौका पर रचा रास

संवाददाता ● भोपाल

झीलों की नगरी भोपाल आज एक बार फिर भक्ति की गूंज से सराबोर होने जा रही है। श्री श्याम ताली संकीर्तन परिवार (रजि.), भोपाल द्वारा आयोजित श्री श्याम अलबेला नौका विहार महोत्सव आज, रविवार 1 जून 2025 को शाम 7 बजे से शीतल दास की बगिया, कमला पार्क में होगा। आयोजन की अंतिम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरे परिसर को लाइट, फूलों और दीपों से सजाया गया है।

उत्सव

झील पर रचेगा वृंदावन सा दृश्य

हर साल की तरह इस साल भी आयोजन का प्रमुख आकर्षण नौका महारास लीला होगी, जिसमें झील के बीच नौका पर श्री श्याम और राधारानी की रासलीला का जीवंत मंचन किया जाएगा। यह आयोजन भक्तों को ऐसा प्रतीत कराएगा मानो वृंदावन की यमुना तट पर श्रीकृष्ण स्वयं रास रचा रहे हों। बाबा श्याम का इस अवसर पर कोलकाता के विशेष फूलों से श्रृंगार किया जाएगा और छप्पन भोग अर्पित कर पूजन किया जाएगा।

हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

इसके अलावा आज यहां हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति के अनुसार, महोत्सव की प्रेरणा "करने वाले श्याम, कराने वाले श्याम" की भावना से जुड़ी है और यह आयोजन पूर्णतः सेवा भाव से समर्पित है। आयोजकों ने भोपालवासियों और आसपास के श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे सपरिवार इस आध्यात्मिक उत्सव में पधारें और भक्तिरस में डूबकर बाबा श्याम की दिव्य रासलीला का साक्षात्कार करें। सुरक्षा और व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

एक हजार से अधिक रेल यात्रियों को होगी असुविधा

रीवा-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन की पांच-पांच ट्रिप रहेंगी रद

संवाददाता ● भोपाल

रेलवे प्रशासन ने रीवा से चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) और वापसी मार्ग पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन की कुल दस ट्रिप (पांच अप और पांच डाउन) को निरस्त करने का निर्णय लिया है। यह फैसला दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में अधोसंरचना विकास कार्यों के अंतर्गत लिया गया है। दरअसल, दक्षिण-मध्य रेलवे के बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन पर यार्ड के विस्तारीकरण और थर्ड रेल लाइन कनेक्टिविटी के लिए प्री-एनआई और एनआई कमीशनिंग का कार्य किया जाएगा। इस तकनीकी और संरचनात्मक कार्य के चलते इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। परिणामस्वरूप, पश्चिम-मध्य रेलवे से संचालित होने वाली रीवा-चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) स्पेशल ट्रेन को पांच ट्रिप के लिए रद किया गया है। बता दें कि मध्य प्रदेश के अनेक स्टेशनों से इस ट्रेन में प्रति ट्रिप करीब 1000 से अधिक यात्री सफर करते हैं।

यह ट्रेनें रहेंगी निरस्त

गाड़ी संख्या 01704 – यह ट्रेन रीवा से चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) के लिए सप्ताह में दो बार चलती है। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह ट्रेन 5 से 19 जून 2025 तक सभी ट्रिप्स में रीवा से प्रस्थान नहीं करेगी। यानी इस अवधि में इस गाड़ी की पांच ट्रिप रद रहेंगी।

गाड़ी संख्या 01703 – यह ट्रेन चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) से रीवा के लिए चलती है। यह भी सप्ताह में दो बार संचालित होती है। रेलवे द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, यह ट्रेन 6 से 20 जून 2025 तक की सभी ट्रिप्स में चेर्लापल्ली से नहीं चलेगी। यानी इस अवधि में इसकी भी पांच ट्रिप रद रहेंगी।

रेलवे की अपील

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से विशेष अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले संबंधित ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। इसके लिए यात्री एनटीईएस (NTES) एप्लीकेशन, रेल मदद पोर्टल या रेलवे की 139 सेवा के माध्यम से अपडेटेड स्टेटस चेक कर सकते हैं। मंडल के अधिकारियों के अनुसार इन सभी यात्रियों को जिनका टिकट निरस्ती दिनांक का था, उनको रेलवे नियमानुसार रिफंड करेगा।

12साल पुराने केस में पति को 10 साल की सजा

संवाददाता ● जबलपुर

12 साल पहले पति की प्रताड़ना से परेशान होकर एक महिला ने आत्महत्या कर ली थी। मरने से पहले महिला ने सुसाइड नोट भी छोड़ा था। जिसमें प्रताड़ना का जिक्र किया गया था। शनिवार को जबलपुर सेशन कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी पति नितिन शुक्ला को 10 साल की सजा सुनाई है। साथ पति के ममेरे भाई अनूप तिवारी व अतुल तिवारी को एक-एक साल की सजा से दंडित किया है।

जबलपुर के उखरी में रहने वाले आरोपी नितिन की 2013 में करमेता निवासी तितिक्षा से शादी हुई थी। बाद में दोनों तमिलनाडु चले गए थे। यहां तितिक्षा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी । पीड़ित परिवार की ओर से पैरवी करते हुए एडवोकेट नरेन्द्र जैन ने कोर्ट को बताया कि 6 फरवरी 2013 को मृतका की शादी शारदा नगर करमेता निवासी अतुल तिवारी के साथ हुई थी। शादी से पहले ससुराल पक्ष द्वारा दहेज के रूप में 8 लाख रुपए नकद एवं अन्य सामान की मांग रखी गई थी। मृतका की मां ने इतना दहेज देने में असमर्थता जताई। बाद में 4 लाख रुपए नकद एवं लगभग ढाई लाख रुपए के गृहस्थी के सामान पर मामला तय हुआ। नितिन शुक्ला की नौकरी तमिलनाडु के कांचीपुरम में होने के चलते शादी के कुछ दिनों बाद ही तितिक्षा पति के साथ वहां चली गई। आरोपी पति तमिलनाडु में किराए के मकान में रहता था। उसके साथ मां कल्पना शुक्ला, ममेरे भाई अनूप तिवारी और अतुल तिवारी भी तमिलनाडु आ गए थे। यहां पर सभी लोगों ने तितिक्षा तिवारी को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

सिर पर धारदार हथियार से हमला भी किया, टू व्हीलर पर सवार थे बदमाश

सरेराह कारोबारी से नोटों से भरा बैग लूटा

संवाददाता ● भोपाल

सरेराह लूट की घटना सामने आई है। भोपाल गेट के पास करीब दो आरोपियों ने सिर पर चाकू मारकर मोबाइल कारोबारी का नोटों से भरा बैग झपट लिया। बैग में करीब 35 हजार रुपए कैश रखे थे। वारदात को शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 1:30 बजे अंजाम दिया है।

वारदात

कारोबारी दुकान को बंद कर घर लौट रहे थे। पुलिस को रेकी के बाद लूट की आशंका है। फरियादी के करीबी और कर्मचारियों से भी पुलिस पूछताछ करेगी।

शाहजहांनाबाद पुलिस ने बताया कि राजेश अठवानी (40) पुत्र आनंदराम अठवानी प्रभुनगर ईदगाह हिल्स में रहते हैं। वह घोड़ानक्कास इलाके में मोबाइल की शॉप का संचालन करते हैं। देर रात दुकान बंद कर घर के लिए लौट रहे थे।

भोपाल गेट के करीब कैंब्रिज स्कूल के पास में उन्हें बाइक सवार दो लड़कों ने हाथ देकर रोक लिया। बदमाशों ने सिर में किसी धारदार चीज से हमला किया और राजेश के बैग को छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

परिचितों के साथ अस्पताल पहुंचे

फरियादी ने वारदात के बाद तत्काल परिजनों और परिचितों को कॉल किया। लहूलुहान हालत में उनके साथ अस्पताल पहुंचे और प्रारंभिक उपचार कराया। इसके बाद थाने पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने स्पॉट का निरीक्षण किया और तड़के सुबह करीब तीन बजे एफआईआर दर्ज की है।

एसीबी बोले सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे : एसीपी अनिल बाजपेयी ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए घटना स्थल के पास पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक टीम फुटेज खंगालने का काम कर रही है। वहीं, एक अन्य टीम फरियादी के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। जल्द आरोपियों का सुराग जुटाकर पूरे मामले का खुलासा करेंगे।

कलेक्शन एजेंट से लूट के आरोपी भी बेसुराग : फरियादी आदित्य आर्य (24) छोला इलाके में रहता है। वह बी.कॉम ग्रेजुएट है और फिलहाल नमक कंपनी में बतौर कलेक्शन एजेंट काम करता है। बुधवार सुबह कलेक्शन के लिए निकला था। पुराने शहर के ईदगाह हिल्स, शाहजहांनाबाद, काजी कैंप और टीला जमालपुरा से कंपनी का कैश कलेक्ट करते हुए अस्सी फीट रोड नई मंडी के पास पहुंचा था। वहां दो पहिया वाहन पर सवार दो बदमाशों ने उन्हें चलती गाड़ी से गिराने के बाद लूट लिया था। इस मामले में भी आरोपी बेसुराग हैं।

लियोनार्डो डिकैप्रियो संग फोटो शेयर कर ट्रोल हुई उर्वशी

सुर्खियों में कैसे रहना है ये एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अच्छे से जानती हैं। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो ने उन्हें कांस फिल्म फेस्टिवल की क्वीन कहा था।उन्होंने लियोनार्डो के साथ अपनी एक सेल्फी पोस्ट कर इस बात का दावा किया है। दरअसल, उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी सेल्फी शेयर की, जिसमें वह हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो के साथ नजर आ रही हैं। यह तस्वीर 2022 में उनकी मुलाकात की है। एक्ट्रेस ने फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, 'जब लियोनार्डो डिकैप्रियो आपको कान्स की रानी कहते हैं! धन्यवाद, लियो... अब यह एक टाइटैनिक कॉम्पलीमेंट है।' उर्वशी के इस पोस्ट पर फैंस उनका जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। राम नाम के एक यूजर लिखते हैं- 'स्केच तो नहीं बनाया भाई ने आपका?' राहुल नाम के एक यूजर ने लिखा- 'क्या उन्हें आपके मंदिर के बारे में पता है?' पल्लवी लिखती हैं- 'लियोनार्डो डिकैप्रियो के पास खड़ी होने वाली पहली महिला।' एक और यूजर ने उर्वशी से पूछा कि क्या उन्होंने आपको दिबिड़ी-दिबिड़ी और डाकू महाराज के लिए कॉम्प्लीमेंट दिया? हालांकि, ये पहली बार नहीं है, जब उर्वशी ने टाइटैनिक स्टार को लेकर कुछ दावा किया है। एक्ट्रेस ने तीन साल पहले भी कहा था कि कांस फिल्म फेस्टिवल में उनकी उपस्थिति को लेकर हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो ने कॉम्प्लीमेंट दिया था। साथ ही कहा था कि वो एक टैलेंट एक्ट्रेस हैं। उर्वशी को अपने इस दावे के लिए बहुत ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी। बता दें कि दो दिन पहले ही कांस में पहले दिन रेड कार्पेट लुक की तुलना ऐश्वर्या राय से होने पर उर्वशी भड़क गई थीं। इस पर एक्ट्रेस ने भड़क कर अपने इंस्टाग्राम पर लिखा-, तो जाहिर है कि मैं 0 करिज्मा वाली ऐश्वर्या राय बनने की कोशिश कर रही हूं? डार्लिंग ऐश्वर्या आइकॉनिक है। लेकिन मैं यहां किसी की डुप्लीकेट बनने नहीं आई। मैं ही ब्लूप्रिंट हूं। कांस ने मुझे किसी में मिल जाने के लिए नहीं बुलाया गया, मैं यहां अलग दिखने आई हूं। अगर मेरा लुक, मेरा स्टाइल और मेरा कॉन्फिडेंस आपको असहज महसूस करवाता है तो शायद आपको एक गहरी सांस लेना चाहिए। मैं हर किसी को समझ नहीं आती। मैं फायरवर्क के साथ शैंपेन की तरह हूं।

'तलाक से ठीक पहले की रात...', मलाइका ने सुनाई आखिरी पल की कहानी

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और एक्टर-प्रोड्यूसर अरबाज खान की जोड़ी एक वक्त पर फैंस की फेवरेट हुआ करती थी, लेकिन साल 2017 में जब दोनों का तलाक हुआ, तो ये खबर हर तरफ चर्चा में आ गई। इस रिश्ते के टूटने की खबर जितनी चौंकाने वाली थी, उतनी ही इमोशनल भी, लेकिन क्या आप जानते हैं, कि तलाक से एक रात पहले मलाइका के साथ क्या हुआ था ? खुद एक्ट्रेस ने इसका खुलासा किया था। मलाइका अरोड़ा ने एक दफा बातचीत के दौरान तलाक को लेकर खुलकर बात की थी। जब करीना ने पूछा कि तलाक से पहले उन्हें क्या सलाह मिली थी, तो मलाइका ने बताया, "हर कोई यही कह रहा था, कि मत करना। उन्होंने बातचीत में आगे कहा, 'सबने यही बोला था, सोच-समझकर करना। कोई भी सीधे नहीं कहता कि हां, जाओ और तलाक ले लो। सबकी चिंता थी, कि मैं सही फैसला ले रही हूं या नहीं, क्योंकि सब मेरे अपने थे, और मेरा अच्छा चाहते थे।" मलाइका ने शो में बताया कि कोर्ट में तलाक की सुनवाई से एक रात पहले पूरा परिवार उनके साथ बैठा था, उन्होंने कहा, "मेरे पूरे परिवार ने मुझे एक बार फिर से पूछा, क्या तुम श्योर हो? क्या तुम 100% अपने फैसले पर अटल हो ?'' एक्ट्रेस बोलीं, ''वो सब मेरी परवाह करते थे, इसलिए ये सवाल उठना लाजमी था, लेकिन मैंने अपने दिल से सुना और वही किया जो मुझे सही लगा।" बता दें, मलाइका और अरबाज की पहली मुलाकात 1993 में एक शूट के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों में प्यार हुआ और पांच साल की डेटिंग के बाद 1998 में शादी कर ली थी। वहीं, साल 2002 में दोनों बेटे अरहान खान के माता-पिता बने, लेकिन समय के साथ दोनों के रास्ते अलग हो गए और 2017 में तलाक इस फेमस कपल ने अपने-अपने रास्ते अलग कर लिए थे। अरबाज खान ने साल 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान से दूसरी शादी कर ली है, जो जल्द ही मम्मी बनने वालीं हैं, और अरबाज पिता, वहीं मलाइका अरोड़ा एक्टर अर्जुन कपूर संग ब्रेकअप कर चुकीं हैं, और फिलहाल सिंगल हैं, और उन्होंने दोबारा शादी नहीं की।

आमिर खान को पहली शादी जल्दीबाजी में करने का पछतावा

बोले- किसी को भी शादी का फैसला हड़बड़ी में नहीं करना चाहिए

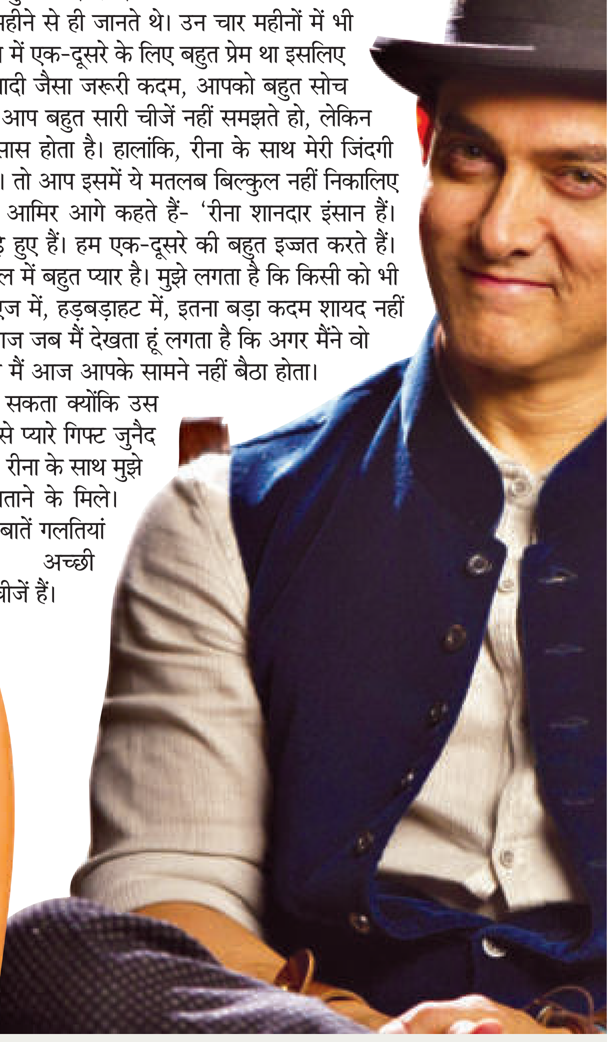

आमिर खान अपने काम के साथ पर्सनल लाइफ की वजह से लाइमलाइट में रहते हैं। हाल-फिलहाल वो नई गर्लफ्रेंड गौरी की वजह से भी सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक्टर ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें वो प्यार, फैमिली, फिल्में और जिंदगी में लिए फैसलों पर बात करते नजर आ रहे हैं। यूट्यूबर राज शमानी को दिए इंटरव्यू में एक्टर ने हर मुद्दे पर दिल खोलकर बात की है। राज आमिर से पूछते हैं कि उनके हिसाब से प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ में उनकी सबसे बड़ी गलती क्या है? इस पर आमिर कहते हैं- 'मैंने लाइफ एक नहीं बहुत गलतियां की है। आज जो मैं हूं वो न सिर्फ कामयाबी की वजह से बल्कि उन गलतियों की वजह हूं। मैं एक सिंपल चीज कहता हूं। मैंने और रीना ने बहुत जल्दी शादी की थी। मैं 21 साल का था और वो 19 साल की थीं। शादी के पहले हम एक-दूसरे के बस चार महीने से ही जानते थे। उन चार महीनों में भी हमने एक-दूसरे के साथ बहुत कम समय बिताया था। हमारे मन में एक-दूसरे के लिए बहुत प्रेम था इसलिए हमने शादी की। आज जब मैं देखता हूं तो लगता है कि शादी जैसा जरूरी कदम, आपको बहुत सोच समझकर लेना चाहिए। उस वक्त जवानी के जोश में आप बहुत सारी चीजें नहीं समझते हो, लेकिन बाद में आपको एहसास होता है। हालांकि, रीना के साथ मेरी जिंदगी बहुत अच्छी कटी है। तो आप इसमें ये मतलब बिल्कुल नहीं निकालिए की रीना गलती थी।' आमिर आगे कहते हैं- 'रीना शानदार इंसान हैं। हम एक-दूसरे के साथ बड़े हुए हैं। हम एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं। एक-दूसरे के लिए दिल में बहुत प्यार है। मुझे लगता है कि किसी को भी इतनी जल्दी, यंग एज में, हड़बड़ाहट में, इतना बड़ा कदम शायद नहीं लेना चाहिए। तो आज जब मैं देखता हूं लगता है कि अगर मैंने वो फैसला नहीं लिया होता तो मैं आज आपके सामने नहीं बैठा होता। मैं उसे गलती नहीं मना सकता क्योंकि उस शादी से मुझे दो सबसे प्यारे गिफ्ट जुनैद और इरा मिले हैं। रीना के साथ मुझे 16 साल बिताने के मिले। ये सारी बातें गलतियां नहीं अच्छी चीजें हैं।

22 साल पहले आई इस भूतिया फिल्म को देख खड़े हो गए रोंगटे

2003 में एक फिल्म रिलीज हुई थी जिसमें उर्मिला मातोंडकर ने कमाल का काम किया था। उस फिल्म को देखकर आज भी लोग डर जाते हैं और इस फिल्म ने सिनेमाघरों में भी धांसू कमाई की थी जबकि इसका बजट कम था।। हॉरर फिल्में देखना किसे पसंद नहीं है लेकिन उन फिल्मों को देखकर अगर चीख ना निकले तो उस हॉरर फिल्म का क्या फायदा। कई साल पहले एक फिल्म आई थी जिसका नाम भूत था, उस फिल्म को देखकर ना ही सिर्फ लोगों की चीखें निकली थीं बल्कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की थी। फिल्म में अजय देवगन और उर्मिला मातोंडकर लीड रोल में नजर आए थे। फिल्म भूत की कहानी इतनी डरावनी थी, जिसे आज भी लोग देखते हैं तो डर जाते हैं। हर सीन इंसान के रोंगटे खड़े कर देने वाला है, जिसे ओटीटी पर आज भी देखा जा सकता है। इस फिल्म ने कितनी कमाई की थी, इसमें कौन-कौन था और इसकी कहानी क्या थी आइए आपको इसके बारे में सबकुछ बताते हैं। 30 मई 2003 को रिलीज हुई फिल्म भूत का निर्देशन और निर्माण राम गोपाल वर्मा ने किया था। फिल्म में अजय देवगन, उर्मिला मातोंडकर, फरदीन खान, रेखा, विक्टर बनर्जी और नाना पाटेकर जैसे बेहतरीन कलाकार नजर आए थे। ये एक हॉरर-थ्रिलर फिल्म थी जो हिट हुई थी। अगर फिल्म की कमाई की बात करें तो फिल्म भूत ने वर्ल्डवाइड 21.90 करोड़ का कलेक्शन किया था जबकि इसका बजट महज 6 करोड़ रुपये था। इस फिल्म का वर्डिक्ट हिट था और इस फिल्म को आज भी पसंद किया जाता है।

काजोल की ठुकराई फिल्म ने 55 करोड़ के बजट में कमाए थे 460 करोड़

बॉलीवुड की कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रहीं मशहूर एक्ट्रेस काजोल ने अपने करियर में कुछ ऐसे फैसले भी लिए जिन पर उन्हें आज भी पछतावा होता होगा। उन्होंने कई बड़ी फिल्मों को रिजेक्ट कर दिया था। काजोल ने आमिर खान और करीना कपूर खान की एक ऐसी फिल्म भी ठुकरा दी थी जो 460 करोड़ कमाकर ब्लॉकबस्टर निकली। हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आने वाली हैं. ये एक हॉरर फिल्म है। हालांकि, इससे पहले काजोल बड़े पर्दे पर कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी हैं। उन्होंने कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों को रिजेक्ट भी कर दिया था। ऐसी ही एक फिल्म आमिर खान और करीना कपूर खान की भी शामिल रही, जिसे काजोल ने रिजेक्ट कर दिया था और उसने बाद में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की थी। जिसने महज 55 करोड़ के बजट में 460 करोड़ रुपये कमा डाले थे। काजोल ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया। हालांकि इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसे फैसले भी लिए जिनका उन्हें आज भी अफसोस होता होगा। काजोल को 2009 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थ्री इडियट्स' का भी ऑफर मिला था। उन्हें मेकर्स ने करीना कपूर वाला रोल ऑफर किया था, लेकिन एक्ट्रेस ने ये फिल्म ठुकरा दी थी। काजोल ने जो फिल्म रिजेक्ट कर दी थी उसने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन किया था।

नयनतारा ने वेकेशन पर पति और बच्चों संग बिताए यादगार पल

लेडी सुपरस्टार के नाम से पॉपुलर पैन इंडिया एक्ट्रेस नयनतारा फैमिली के वेकेशन मना रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वेकेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक तस्वीर में वह पति विग्नेश शिवन संग रोमांटिक पोज देते दिख रही हैं। एक अन्य तस्वीर में वह बच्चों पर प्यार लुटाते हुए भी नजर आ रही हैं। नयनतारा की फैमिली वैकेशन की तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया है। लेडी सुपरस्टार अपने पति विग्नेश शिवन और अपने दो बच्चों-उइर रुद्रो नील एन शिवन और उलग दैविक एन शिवन के साथ यूरोप ट्रिप को एन्जॉय कर रही हैं। इन तस्वीरों में नयनतारा एक कैज़ुअल लेकिन ट्रेंडी लुक में नज़र आ रही हैं। नयनतारा ने ब्लैक ग्राफिक टी-शर्ट, डेनिम शॉर्ट्स और व्हाइट स्नीकर्स के साथ उन्होंने रेड बैग कैरी किया है, जो उनके लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है। वहीं, विग्नेश भी अपने कर्ली हेयर लुक और कैज़ुअल ड्रेसिंग में काफी रिलैक्स्ड और खुश नज़र आ रहे हैं। इनके अलावा, उलग और उइर भी मैचिंग टी और डेनिम-स्नीकर्स पहने दिख रहे हैं। दोनों बच्चे मैचिंग स्ट्राइप्ड आउटफिट में बेहद प्यारे और खुश लग रहे हैं। पहली तस्वीर में कपल 'टाइटैनिक' स्टाइल में पोज़ करते दिख रहा है, जहां विग्नेश पीछे खड़े हैं और नयनतारा अपनी बाहें फैला कर कैमरे की ओर पोज़ दे रही हैं। दूसरी तस्वीर में ये कपल अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताता नज़र आ रहा है। नयनतारा की यह फैमिली वेकेशन न केवल उनकी पर्सनल लाइफ की झलक देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वह अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को कितनी खूबसूरती से बैलेंस करती हैं। फैंस को उनके इस फैमिली ट्रिप की तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें भरपूर प्यार और तारीफ मिल रही है। यह वेकेशन न केवल एक रिफ्रेशिंग ब्रेक है, बल्कि यह उनके परिवार के साथ बिताए गए खूबसूरत पलों का सेलिब्रेशन भी है। नयनतारा की यह तस्वीरें साबित करती हैं कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, एक बेहतरीन मां और पत्नी भी हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने ब्लेसिंग और दिल वाले इमोजी को कैप्शन में इस्तेमाल किया है।

पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से धूल चटाकर जीता पहली बार चैंपियंस लीग, ट्रेबल जीतकर भी रचा इतिहास

एजेंसी ● म्युनिख

पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मिलान के बीच म्यूनिख के एलियांज एरेना में यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 सीजन का फाइनल मुकाबला खेला गया। हालांकि, यह मुकाबला फाइनल जैसा लगा नहीं। पीएसजी ने आसानी के साथ इंटर मिलान को 5-0 से रौंद डाला और पहली बार इतिहास में यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही पीएसजी ने इस सीजन (2024-25) ट्रेबल भी अपने नाम कर लिया। पीएसजी ने लीग 1, कूप डे फ्रांस और अब चैंपियंस लीग जीतकर ट्रेबल भी जीत लिया। यह क्लब के इतिहास का पहला ट्रेबल है। पेरिस सेंट जर्मेन सिर्फ 9वां क्लब बना है, जिसने ट्रेबल जीता हो।फाइनल में पहला गोल पीएसजी ने 12 मिनट पर ही कर दिया था। अशरफ हकीमी ने यह गोल किया था। इसके बाद डिजायर डोउ ने 20वें मिनट में ही दूसरे गोल के साथ लीड को डबल कर दिया। इसके बाद 63वें मिनट में भी डोउ ने ही एक और गोल दागा। पूरी तरह से खेल पर पीएसजी का दबदबा हो गया था। लेकिन, इसके बाद भी क्लब ने कोई रहम नहीं दिखाया और इंटर मिलान पर दो और गोल किए। ख्विचा क्वारात्शेलिया ने 73 तो सेनी मायुलु ने 86 मिनट पर गोल किया।

2010 से चैंपियंस लीग नहीं जीती इंटर मिलान

इंटर मिलान 2010 से यूएफा चैंपियंस लीग का खिताब जीतने में नाकाम रही है। वे रेड हॉट फॉर्म में चल रही एफ सी बार्सिलोना को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल तक पहुंचे थे। लेकिन, इस बार भी उनका चैंपियंस लीग जीतने का सपना, सपना ही रह गया। इससे पहले 2023 में भी इंटर ने मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ यूसीएल फाइनल खेला था, उसमें भी उनको हार का सामना करना पड़ा था। बता दें कि इंटर मिलान ने अब तक कुल तीन बार चैंपियंस लीग जीता है। 1964,1965 और 2010 में इस इटेलियन क्लब ने चैंपियंस लीग जीता था।

यूटीटी सीजन-6: साथियान और दिया ने की छठे सीजन में तूफानी शुरूआत

एजेंसी ● अहमदाबाद

दबंग दिल्ली ने जयपुर पैट्रियट्स को दी मात

भारत के स्टार टेबल टेनिस प्लेयर साथियान ज्ञानसेकरन और दिया चितले के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दबंग दिल्ली टीटीसी ने अल्टीमेट टेबल टेनिस (वळळ) सीजन 6 के उद्घाटन मुकाबले में जयपुर पैट्रियट्स को 11-4 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला शनिवार को अहमदाबाद के ईकेए एरेना में खेला गया। दबंग दिल्ली के लिए लगातार छठे सीजन में खेलते हुए, साथियान ने दमदार शुरूआत की और जीत चंद्रा को 3-0 से हराकर मुकाबले का फैसला चौथे मैच में ही कर दिया।

दूसरी ओर, इस सीजन की नीलामी में सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी बनीं दिया चितले ने विश्व रैंकिंग में उनसे 43 स्थान ऊपर मौजूद ब्रिट ईयरलैंड को 2-1 से हराकर अपने चयन को पूरी तरह सही साबित किया। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (ळळऋक) के तत्वावधान में और नीरज बजाज एवं वीटा दानी के प्रोमोशन में आयोजित हो रहा वळळ, भारत का अग्रणी प्रोफेशनल लीग टूनार्मेंट बन चुका है। 16 दिनों तक चलने वाले इस टूनार्मेंट के सभी 23 मुकाबले अहमदाबाद के ईका एरेना में खेले जाएंगे। टिकट केवल बुकमायशो पर उपलब्ध हैं।सीजन का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ, जब अमेरिका के तीन बार के ओलंपियन कनक झा का सामना सिंगापुर के 19 वर्षीय उभरते स्टार इजाक क्वेक से हुआ। शुरूआती बढ़त के बावजूद कनक झा को इजाक के तेज बैकहैंड स्मैशों के सामने 1-2 से हार झेलनी पड़ी। इसके बाद जयपुर की श्रीजा अकुला ने मारिया शाओ के खिलाफ पहला गेम 0-7 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए गोल्डन प्वाइंट के जरिए 2-1 से जीत हासिल की। इसी तरह मिक्स्ड डबल्स में, साथियान और मारिया की नई जोड़ी ने गजब की ट्यूनिंग दिखाई और कनक झा व श्रीजा अकुला को 11-6, 11-10, 11-6 से हराकर दबंग दिल्ली को पूरी तरह मुकाबले पर हावी कर दिया।

इसके बाद, साथियान और दिया ने आखिरी दो मुकाबले जीतकर दिल्ली की जीत को औपचारिकता में बदल दिया। साथियान ज्ञानसेकरन को ह्यइंडियन प्लेयर ऑफ द टाई चुना गया, जबकि मारिया शाओ को ह्यफॉरेन प्लेयर ऑफ द टाई और ह्यशॉट ऑफ द टाई के पुरस्कार मिले। इससे पहले, यूटीटी और ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन की साझेदारी में चल रहे ड्रीम यूटीटी जूनियर्स प्रोग्राम के तहत खेले गए मुकाबलों में दोनों महाराष्ट्र की टीमों ने करीबी मुकाबलों में 5-4 से जीत दर्ज की। यू मुंबा टीटी ने स्टैनली की चेन्नई लायंस को प्रतीक तुलसानी और अनन्या मुरलीधरन की जीत के दम पर हराया, जबकि पीबीजी पुणे जैगुआर्स ने कोलकाता थंडरब्लेड्स को अथर्व नवरंगे और तुष्टि सूद की बेहतरीन डबल्स जीत से मात दी।

क्रिकेट और डब्ल्यूडब्ल्यूई फैंस के लिए निराशाजनक रहा साल 2025

नई दिल्ली। खेल जगत में 2025 एक ऐसा साल है जब कई दिग्गज खिलाड़ी खेल को अलविदा कह रहे हैं। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए बुरी खबर है कि विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। जॉन सीना भी इस साल हहए से संन्यास लेंगे। कोहली और रोहित डउक्र वर्ल्ड कप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन तीनों खिलाड़ियों ने 90 के दशक में पैदा हुए बच्चों पर गहरा प्रभाव डाला है। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को खेलने का तरीका बदल दिया। जॉन सीना ने हहए में हर मुकाम हासिल किया। रोहित शर्मा ने मुश्किल परिस्थितियों में भी बल्लेबाजी को आसान बना दिया।जॉन सीना, विराट कोहली और रोहित शर्मा, ये तीन नाम अपने-अपने खेलों में बहुत बड़े हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने क्रिकेट की बहुत सेवा की है। जॉन सीना भी हहए में किसी दिग्गज से कम नहीं हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट और ळ20क फॉर्मेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। वे भारत का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे और डउक्र में खेलते रहेंगे। जॉन सीना ने हाल ही में अपना 17वां हहए अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप जीता है।

रिंकू सिंह 8 जून को प्रिया सरोज से करेंगे सगाई, शादी की डेट भी सामने आ गई

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 से कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम बाहर हो चुकी है। इसके बाद भी टीम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह चर्चा में आ गए हैं। यह चर्चा उनके खेल नहीं बल्कि निजी वजहों से है। रिंकू शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। कुछ समय पहले उनकी शादी की खूब खबरें आई थी। अब बताया जा रहा है कि रिंकू 8 जून को सगाई करेंगे। उनकी सगाई सासंद प्रिया सरोज से होने वाली है। वह मछलीशहर से समाजवादी पार्टी की सांसद हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह 8 जून को प्रिया सरोज से सगाई करेंगे। दैनिक भास्कर की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसका आयोजन लखनऊ में होने वाला है। शहर के 7 स्टार होटल में कार्यक्रम किया जाएगा। प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज सपा के विधायक हैं। सपा विधायक के करीबियों के अनुसार शादी पारंपरिक रीति-रिवाज से होगी। सासंद होने के साथ ही प्रिया वकील भी हैं।

नवंबर में होगी शादी होगी

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी नवंबर में होगी। इसका आयोजन वाराणसी में किया जाएगा। शादी 18 नवंबर को होटल ताज से होगी। प्रिया सरोज 26 साल की हैं। 2024 भारतीय आम चुनावों में उन्होंने समाजवादी पार्टी की तरफ से भाजपा के बीपी सरोज को 35850 वोटों के अंतर से शिकस्त देते हुए बड़ी जीत हासिल की थी। वहीं रिंकू भारतीय टीम के लिए 33 टी20 के साथ ही 2 वनडे मैच खेल चुके हैं।रिंकू सिंह को आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले केकेआ ने रिटेन किया था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 13 करोड़ में रिटेन किया था। उससे पहले उन्हें एक सीजन के 55 लाख रुपये मिलते थे। आईपीएल 2023 में रिंकू सिंह ने केकेआर के लिए गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार 5 गेंद पर 5 छक्के मारे थे। उसके बाद से ही हर तरफ उनका नाम हो गया। इससे टीम इंडिया में उन्हें एंट्री भी मिल गई।

बृज भूषण शरण सिंह जश्न में डूबे, उधर क्यों माफी मांगने लगे बजरंग पूनिया, बोले- गुरु जी भारी गलती हो गई!

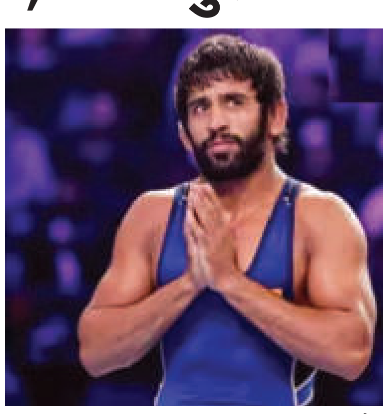

नई दिल्लीः ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कुश्ती कोच नरेश दहिया की छवि धूमिल करने के लिए बिना शर्त माफी मांगी है। तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के साथ मिलकर बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था जिसमें उन पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। बजरंग ने 10 मई 2023 को जंतर मंतर पर धरने के दौरान प्रेस कांफ्रेस में कहा था कि नरेश दहिया खुद बलात्कार के आरोपी हैं, इसलिए उन्हें उनके विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है।

इसके बाद दहिया ने बजरंग को अदालत में घसीटकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। बजरंग को अदालत ने समन जारी किया था और उन्हें चौथी सुनवाई में जमानत भी दे दी थी। बजरंग ने 17 मई को कोच से माफी मांगी और अपने किए पर खेद जताया। बजरंग ने अपने माफीनामे में कहा, ह्यमैं जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के समय हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कोच नरेश दहिया के खिलाफ दिए गए गलत और असंवेदनशील बयान के लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, ह्यमैं कोच नरेश दहिया की छवि को हुए नुकसान और उनके खिलाफ मेरे गलत और असंवेदनशील बयान के कारण उनके प्रियजनों को हुए दर्द और पीड़ा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता हूं। वह एक प्रतिष्ठित कोच हैं और उन्होंने देश को अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। मैं एक बार फिर खेद व्यक्त करते हुए उनसे और उनके प्रियजनों से दिल से माफी मांगता हूं।

दहिया का पुरुष पहलवानों के लिए दिल्ली के शाहबाद डेयरी इलाके में छोटू राम व्यायामशाला के नाम का अखाड़ा (ट्रेनिंग सेंटर) हैं। वह राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विनोद (55 किग्रा) और रमेश गुलिया (74 किग्रा) जैसे पहलवानों को कोचिंग दे चुके हैं। दहिया ने कहा, ह्यविरोध प्रदर्शन से दो-चार महीने पहले ये पहलवान डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष की प्रशंसा कर रहे थे। फिर अचानक मेरे खिलाफ एक अनजान व्यक्ति ने यह आरोप लगाया और बजरंग ने अपने संबोधन में इसका जिक्र किया। मैंने इस पर आपत्ति जताई और उसे अदालत में घसीटा।ह्लउन्होंने कहा, ह्यअब जब उसने माफी मांग ली है तो मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। उसके वकील ने माफी मांगने के लिए मेरे वकील से संपर्क किया था। मेरा बृज भूषण से कुछ लेना देना नहीं था। मैं बस तीन चार बार महासंघ के कार्यालय गया था क्योंकि काम के सिलसिले में महासंघ के दफ्तर जाना पड़ता है। मैंने उस समय उनसे बस इतना कहा था कि वे धीरे धीरे प्रदर्शन से हट जाएंगे लेकिन इसमें शामिल बच्चों को परिणाम भुगतने होंगे। बस इतना ही, और कुछ नहीं।ह्ल बृज भूषण के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी और मामला अदालत में चल रहा है।

पीकेएल के ऑक्शन में मोहम्मदरेजा शादलू पर हुई पैसों की बारिश, 2.23 करोड़ रुपये में बिकने के बाद रचा इतिहास

एजेंसी ● मुंबई

मोहम्मदरेजा शादलू चियानेह ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के इतिहास में एक और कीर्तिमान रच दिया है। वह लगातार तीसरे सीजन में 2 करोड़ रुपये से अधिक की बोली पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। सीजन 11 के मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर को पीकेएल 12 प्लेयर ऑक्शन की पहली ही बोली में गुजरात जायंट्स ने 2.23 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत पर खरीदकर सबको चौंका दिया। यह प्रो कबड्डी इतिहास की चौथी सबसे बड़ी बोली है।

शादलू के साथ-साथ, सीजन 11 के सर्वश्रेष्ठ रेडर रहे देवांक दलाल ने भी 2 करोड़ रुपए की सीमा पार की। पटना पाइरेट्स को पिछले सीजन फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले देवांक को बंगाल वॉरियर्ज. ने 2.205 करोड़ रुपये में खरीदा, जिससे वह पीकेएल इतिहास के पांचवे सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए।पीकेएल 12 के इस ऑक्शन में कैटेगरी ए के तहत नए ह्यफाइनल बिड मैच नियम को पहली बार लागू किया गया, जो टीमों को अपने रिलीज किए गए खिलाड़ियों को अंतिम बोली की राशि चुकाकर दोबारा साइन करने की अनुमति देता है (एक या दो सीजन के लिए)।

इस नियम का उपयोग करते हुए, दबंग दिल्ली केसी ने अपने स्टार रेडर आशु मलिक को 1.90 करोड़ रुपये में दो सीजन के लिए फिर से टीम में शामिल किया। वहीं पटना पाइरेट्स ने दीपक राजेंद्र सिंह को 86 लाख रुपये में दो सीजन के एफबीएम के तहत रिटेन किया।कैटेगरी ए में कुल पांच खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये से अधिक की बोली हासिल की, जो यह दशार्ता है कि लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की कितनी अधिक मांग है। मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, ह्लपीकेएल 12 के कैटेगरी ए ऑक्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अच्छे परफॉरमेंस का मूल्य सबसे ऊपर होता है। शादलू और देवांक को 2 करोड़ से अधिक की बोली मिलना इसका प्रमाण है। पांच खिलाड़ियों ने करोड़ रुपये की सीमा पार की, और एफबीएम नियम का सफल प्रयोग भी देखने को मिला। इससे यह साफ है कि टीमें आगामी सीजन के लिए रणनीतिक रूप से मजबूत स्क्वॉड बना रही हैं और कबड्डी का रोमांच फिर चरम पर होगा।

छत्तीसगढ़ के स्टार धावक अनिमेष ने रचा इतिहास

200 मीटर फाइनल में जीता कांस्य पदक अपने नाम किया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

खेल संवाददाता ● रायपुर

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। छत्तीसगढ़ के युवा स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने इस शेर को अपनी कामयाबी का मूलमंत्र बनाया है। जशपुर जिले के एक छोटे से गांव घुईटांगर के रहने वाले 21 वर्षीय अनिमेष ने दक्षिण कोरिया में आयोजित 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फाइनल में कांस्य पदक जीतकर न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि देश का नाम भी रौशन किया है। कुजूर ने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 20.32 सेकंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए कांस्य पदक जीता। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 20.40 सेकंड का अपना पिछला रिकॉर्ड बेहतर किया, जो उन्होंने इस वर्ष की शुरूआत में राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। जापान के तोवा उजावा ने 20.12 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक, जबकि सऊदी अरब के अब्दुलअजीज अताफी (20.31 सेकंड) ने रजत पदक जीता।बता दें कि अनिमेष कुजूर के पिता अमृत कुजूर वर्तमान में बलौदा बाजार जिले में ट्रैफिक डीएसपी है और उनकी मां भी एसपी ऑफिस में इंस्पेक्टर है। अनिमेष ने अपनी पढ़ाई अंबिकापुर के सैनिक स्कूल में रहकर की है। उनका एक छोटा भाई अनिकेत कुजूर है जो रायपुर में रहकर कम्प्यूटर साइंस सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रहा है।

रायपुर में करते थे प्रैक्टिस

अनिमेष के शुरूआती कोच दिनेश टांडी हैं, जो रायपुर में रविशंकर यूनिवर्सिटी में उन्हें प्रैक्टिस कराते थे। अनिमेष रायपुर में अपने मौसा समीर कुजूर और मौसी अनिमा एस कुजूर के घर रहकर दौड़ की तैयारियां कर रहे थे। साल 2023 में रिलायंस के कोच मार्टिन ओबियंस ने अनिमेष की प्रतिभा पहचानी और उन्हें लेकर ओडिशा चले गए, जहां अनिमेष को खुद पर और अच्छी तरह से काम करने का मौका मिला और उन्होंने मार्टिन की निगरानी में जीतोड़ मेहनत करना शुरू कर दिया।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को मिलेगी नौकरी, खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा- इतने खिलाड़ियों को मिलेगी नौकरी

खेल संवाददाता ● रायपुर

छत्तीसगढ़ में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नौकरी देने की दिशा में प्रकिया शुरू कर दी गई है. पहले चरण में लगभग 60 खिलाड़ियों को नौकरी दी जाएगी. मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि अधिकारियों से चर्चा हुई है, 15 दिनों के भीतर संबंधित प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएंगी.मंत्री टंकराम वर्मा ने यह भी कहा कि 4 जून के बाद होने वाली कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है. पहले चरण में चयनित खिलाड़ियों के नामों की घोषणा भी जल्द की जाएगी. करीब 60 के आस पास उत्कृष्ट खिलाड़ियों की घोषणा होगी. बाकी बचे खिलाड़ियों का परीक्षण किया जाएगा. उसके बाद निर्णय किया जाएगा.मंत्री ने कहा की हमारी सरकार खिलाड़ियों के लिए प्रतिबद्ध है. खिलाड़ियों के लिए बैठक भी रखी गई थी. बैठक में कई विभागों में नौकरी को लेकर चर्चा हुई है. बता दें कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति को लेकर सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ठोस कदम उठाया है. मंत्री टंकराम वर्मा ने बैठक में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को नौकरी देने के संबंध में निर्देश दिए थे. खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने अपने निवास कार्यालय में विभागीय समीक्षा बैठक की थी. इस बैठक में खेल विभाग में वित्त विभाग से स्वीकृत सीधी भर्ती और संविदा के रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए थे. उन्होंने राज्य खेल अलंकरण वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करने के लिए तुरंत विज्ञापन जारी करने को भी कहा था. बैठक में मंत्री वर्मा ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल निर्माण कार्यों, पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं के संभाग स्तर पर आयोजन की रूपरेखा और अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता देने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की थी. उन्होंने प्रत्येक ब्लॉक में कबड्डी मैट की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, सीएसआर मद से नई खेल अकादमियों की स्थापना और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में नई आवासीय अकादमी की शुरूआत के लिए जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए थे.

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...

www.adityabharat.com

सर्जियो मोंटुफ़र द्वारा कॉस्मिक फ़ायर

मैंने पहली बार एकाटेनैंगो ज्वालामुखी पर चढ़ाई की, इस उम्मीद में कि मैं मिल्की वे की पृष्ठभूमि में पड़ोसी ज्वालामुखी डे फ़्यूगो की ज्वलंत सुंदरता को देख सकूँ। उस रात, ज्वालामुखी अविश्वसनीय रूप से सक्रिय था। ऊपर, मिल्की वे आकाश में तिरछे रूप से फैला हुआ था। जैसे ही ज्वालामुखी फटा, राख का गुबार लंबवत रूप से ऊपर उठा, आकाशगंगा के विकर्ण पथ के साथ लगभग 45 डिग्री का तीव्र कोण बनाते हुए, पृथ्वी के क्रोध और पृथ्वी के क्रोध के बीच एक आश्चर्यजनक दृश्य विपरीतता पैदा कर रहा था।

शॉट न्यूज

500 के नकली नोटों में 37.3% और 200 रुपए के 13.9% बढ़े

मुंबई। देश में नकली करेंसी का खतरा लगातार बढ़ रहा है, खासकर 500 और 200 के नोटों को लेकर चिंता गहराती जा रही है। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार, 500 के नकली नोटों में 37.3% और 200 के नकली नोटों में 13.9% की वृद्धि दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस अवधि में कुल 2,17,396 नकली नोट पकड़े गए। इनमें से केवल 4.7% नोट आरबीआई द्वारा पकड़े गए, जबकि 95.3% नोट अन्य बैंकों के जरिए सामने आए। इससे साफ है कि नकली नोटों का प्रसार आम बैंकिंग लेन-देन के जरिये हो रहा है और आम जनता को सतर्क रहने की आवश्यकता है। 500 रुपए के नकली नोटों की संख्या 1,17,722 और 200 रुपए के नकली नोटों की संख्या 32,660 है। यह आंकड़े 2023-24 की तुलना में ज्यादा हैं।

पाकिस्तान को चीन देगा 3.7 अरब डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जर्जर आर्थिक स्थिति को देखते हुए चीन ने एक बार फिर राहत का हाथ बढ़ाया है। चीन ने पाकिस्तान को 316 अरब रुपए (करीब 3.7 अरब डॉलर) का नया कर्ज देने का भरोसा दिया है, जिससे पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूती मिलने की उम्मीद है। मौजूदा समय में पाकिस्तान का फॉरेक्स रिजर्व 11.516 अरब डॉलर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस बार चीन यह कर्ज अमेरिकी डॉलर में नहीं, बल्कि चीनी युआन में देगा। यह कदम चीन की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत वह डॉलर और यूरो पर निर्भरता कम करने की दिशा में काम कर रहा है। इससे पहले पाकिस्तान ने मार्च-अप्रैल 2024 के दौरान चीन से लिए गए 1.3 अरब डॉलर के कर्ज का भुगतान कर दिया था, जो लगभग 7.5% ब्याज दर पर मिला था।

गोपनीय रिपोर्ट : परमाणु बम से एक कदम दूर ईरान!

हथियार-ग्रेड यूरेनियम भंडार बढ़ाया, एयर स्पेस बंद

तेहरान ● एजेंसी

ईरान से आ रही रिपोर्ट ने फिर पूरी दुनिया की टेंशन बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था एटॉमिक एनर्जी एजेंसी यानी IAEA की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान ने हथियार-ग्रेड यानी परमाणु बम बनाने लायक यूरेनियम का भंडार और बढ़ा दिया है। इस खुलासे के बाद अमेरिका, यूरोप और मध्य-पूर्व में खलबली मच गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के पास अब इतना यूरेनियम है जिसे यदि और थोड़ा ठीक किया जाए, तो परमाणु बम बनाना संभव हो सकता है। यह भंडार 60% तक बेटर क्वालिटी यूरेनियम का है, जो कि हथियार-ग्रेड (90%) के बेहद करीब माना जाता है। इसी बीच खबर है कि वह एक मिसाइल टेस्ट करने वाला है। उसने अपने एयरस्पेसबंद कर दिए हैं।

खलबली

आईएईए ने साफ शब्दों में कहा है कि ईरान को तुरंत इसे रोकना होगा। ईरान ने कई बार निगरानी उपकरणों तक पहुंच रोक दी है, जिससे एजेंसी को उसके परमाणु कार्यक्रम की प्रामाणिकता जांचने में कठिनाई हो रही है. वहीं ईरान का कहना है कि उनका इरादा केवल एनर्जी और मेडिकल में इसका इस्तेमाल करने का है, परमाणु हथियार बनाने का नहीं। अमेरिका के विदेश मंत्री ने कहा, अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम का खुलासा नहीं करता है तो उसपर कड़े प्रतिबंध लगाएंगे। इजरायल ने तो इसे अपने अस्तित्व के लिए खतरा बता दिया है और सैन्य विकल्पों की बात की है।

यूरेनियम और हथियार-ग्रेड का मतलब : यूरेनियम एक प्राकृतिक तत्व है, जो परमाणु ऊर्जा उत्पादन और परमाणु हथियार दोनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यूरेनियम के अलग-अलग समृद्धिकरण स्तर होते हैं। सामान्य तौर पर, बिजली बनाने वाले परमाणु रिएक्टरों के लिए 3-5% समृद्ध यूरेनियम पर्याप्त होता है। लेकिन परमाणु हथियार बनाने के लिए यूरेनियम को लगभग 90% तक समृद्ध करना पड़ता है, जिसे हथियार-ग्रेड यूरेनियम कहते हैं। IAEA की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने लगभग 60% समृद्ध यूरेनियम का भंडार बढ़ा लिया है, जो हथियार-ग्रेड के बेहद करीब है। इसका मतलब यह हुआ कि ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए आवश्यक कच्चा माल तेजी से उपलब्ध हो सकता है।

वैश्विक सुरक्षा को खतरा

60% समृद्ध यूरेनियम हथियार-ग्रेड से थोड़ा कम है, लेकिन यह बहुत ही चिंताजनक स्तर माना जाता है क्योंकि इसे हथियार-ग्रेड में बदलने में कम समय और संसाधन लगते हैं। इस स्तर के बाद ईरान सिर्फ कुछ सप्ताहों में परमाणु बम बनाने के काबिल हो सकता है, अगर उसने अपने फैसले को हथियार निर्माण की तरफ मोड़ा। इसका सीधा मतलब है कि अगर ईरान चाहे, तो वह न केवल परमाणु हथियार बना सकता है बल्कि यह भी संभव है कि उसे अपनी परमाणु क्षमता का सैन्य इस्तेमाल करने में ज्यादा समय न लगे। ऐसे में यह क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है।

राम मंदिर परिसर में 3 जून से 8 प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या ● एजेंसी

राम नगरी में एक बार फिर से इतिहास बनने जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट ने तीन दिवसीय महाआयोजन की घोषणा की गई है, जहां मंदिर परिसर में आठ नवनिर्मित देवालयों की एक साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। वहीं श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने उम्मीद जाहिर की कि अगले वर्ष तक अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जाएगा। राय ने कहा कि 3 से 5 जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार समेत सभी आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने के बावजूद राम दरबार को दर्शनार्थियों के लिये

खोला नहीं जायेगा क्योंकि इससे निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है मगर सभी मूर्तियों की विधिवत पूजा अर्चना शुरु हो जाएगी। महासचिव चंपत राय ने कहा, प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में विभिन्न परंपराओं के संत धर्म आचार्य सहित आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद व राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहेंगे। इससे पहले 22 जनवरी 2024 को भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। अब एक और प्राण प्रतिष्ठा 5 जून को होने जा रही है।

एक साथ कई लक्ष्य तबाह करने में सक्षम

अग्नि-5 की ब्रह्मोस से 13 गुना ज्यादा रेंज

नई दिल्ली ● एजेंसी

पाकिस्तान पहलगाम में आतंकवादी हमला करवाकर अपने आप को बहादुर समझ रहा था। तब भारत ने हुंकार भरी और इंडियन आर्म्ड फोर्सेज ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च कर महज 23 मिनट में पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 टेररिस्ट कैंप को मिट्टी में मिला दिया। इसके बाद पाकिस्तानी फौज ने इंडियन मिलिट्री बेस को टारगेट करने की कोशिश की तो भारत ने करारा जवाब देते हुए पाकिस्तान के 11 एयरबेस को तबाह कर दिया। भारत ने ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल से ऐसा प्रचंड प्रहार किया कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अभी तक उसे भूल नहीं पा रहे हैं। आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान की ऐसी हालत तब है, जब भारत ने अभी तक अपने 'ब्रह्मास्त्र' का इस्तेमाल नहीं किया है। भारत ने अग्नि सीरीज के तहत लंबी दूरी तक मार करने वाली ICBM यानी इंटर-कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल डेवलप की है। इनमें से अग्नि-V लंबी दूरी तक मार करने वाली खतरनाक मिसाइल में से एक है। डीआरडीओ की ओर से डेवलप यह मिसाइल न्यूक्लियर के साथ ही कन्वेंशनल वॉरहेड (परंपरागत हथियार) को ले जाने में सक्षम है। अग्नि-V की ऐसी कई खूबियां हैं, जो इसे बेहद ही खतरनाक और घातक बनाती हैं। अग्नि-V एक साथ कई टारगेट को तबाह करने में सक्षम है। अग्नि-V को ऐसी तकनीक से लैस किया गया है, जिसे डिफेंस एक्सपर्ट मिसाइल बस कहते हैं। जिस तरह बस में एक साथ कई यात्री सफर कर सकते हैं, उसी तरह अग्नि-V मिसाइल एक साथ कई वॉरहेड को अपने साथ ले जाने और दुश्मनों पर हमला करने में सक्षम है। अग्नि-V के विकास के साथ ही मिसाइल टेक्नोलॉजी में भारत गिने-चुने देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है।

अग्नि 5 मिसाइल की खासियत

अग्नि-V इंटर-कॉन्टिनेंटल मिसाइल की रेंज इतनी ज्यादा है कि पाकिस्तान चाहे भी तो वहां तक अपने पैर नहीं फैला सकता है। इसकी रेंज में चीन का अधिकांश हिस्सा भी आ गया है। विशेषज्ञों की मानें तो अग्नि-V की रेंज 5000 से 5800 किलोमीटर के रेंज में है। कुछ एक्सपर्ट तो इसकी रेंज 7000 किलोमीटर से भी ज़्यादा बताते हैं। भारत अग्नि सीरीज के तहत डेवलप की जा रही मिसाइल की रेंज को 10,000 से 12,000 किलोमीटर तक करने की योजना पर भी काम कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने जिस ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का इस्तेमाल किया, फिलहाल उसकी अधिकतम रेंज 450 किलोमीटर है। जो पाकिस्तान ब्रह्मोस मिसाइल के प्रहार से ही बिलबिला उठा यदि उसपर अग्नि-V से अटैक किया गया तो आतंकवादियों के आका का क्या हाल होगा। पाकिस्तान एक ही झटके में छिन्न-भिन्न हो जाएगा।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)